OIPUL OCHUM **BCN GROUP**

है इसमें पंख सीधा, पीछे प्रोपेलर और

सटीक निशाना लगाने की क्षमता.

इसकी पहली उडान 2014 में हुई थी

और अब तक 600 से ज्यादा यनिटस

बनाए जा चुके हैं. यूक्रेन को 2019 से

लेकर 2022 तक 72 ड्रोन मिले और

युद्ध के बाद तुर्किए ने 8 ड्रोन और

तैनात किये थे. जानकारों का मानना है कि तुर्किए ने ये ड्रोन सिर्फ यूक्रेन की

बल्कि यह कदम अमेरिका और नाटो

को खुश करने के लिए भी उठाया

गया. तुर्किए नाटो का सदस्य देश

है और उस पर अमेरिका का हमेशा

दबाव बना रहता है कि वह रूस से

द्री बनाए रखे. ऐसे में तुर्किए ने एक

तरफ दोस्ती का दिखावा करते हए,

दूसरी ओर रूस के दृश्मन यूक्रेन को

हथियार देकर डबल गेम खेला. इस

पूरे घटनाक्रम ने रूस और तुर्किए

के रिश्तों को गंभीर रूप से प्रभावित

किया है. पुतिन सरकार इस कदम को

तुर्किए की पीठ में छुरा घोंपने जैसा

मान रही है. वहीं अंतरराष्ट्रीय मंच पर

तुर्किए खुद को मध्यस्थ दिखाने की

कोशिश कर रहा है. लेकिन सच्चाई

यही है अब तुर्किए न भारत का

मदद के लिए नहीं दिए,

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, मंगलवार, 3 जून 2025

अंक 228/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

रुस-यूक्रेन जंग

में तूर्किए का डबल

गेम बेनकाब

पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच रूस को दी मदद

तुर्किए एक ऐसा

देश है, जो एक

देशों

करता

इस्लामिक

का नेतृत्व करने की कोशिश

है, द्सरी

तरफ पश्चिमी देशों के साथ भी गहरे

संबंध बनाए रखता है. रूस-यूक्रेन

जंग में तुर्किए की भूमिका शुरू से ही

डिप्लोमैटिक बैलेंस पर टिकी रही है.

लेकिन अब जो खबर सामने आई है,

उसने साफ कर दिया है कि तुर्किए ने

रूस के साथ डबल गेम खेला है. जब

अमेरिका और यूरोपीय देश रूस पर

कड़े प्रतिबंध लगा रहे थे, तब तुर्किए

ने न सिर्फ उसका खुलकर विरोध

किया, बल्कि रूस के लिए कई बार

मददगार की भूमिका भी निभाई. तुर्की

ने रूसी नागरिकों, टूरिस्ट्स और यहां

तक कि प्रवासियों के लिए अपने

दरवाजे खुले रखे. कई रूसी कंपनियों

ने तुर्किए को अपना नया व्यापारिक

अड्डा भी बना लिया था. लेकिन अब

खुलासा हुआ है कि तुर्किए ने यूक्रेन

को वो खतरनाक ड्रोन दिए, जिनसे

यूक्रेन ने रूस के करीब 40 बमवर्षक

और लड़ाकू विमान तबाह कर दिए. ये

ड्रोन हैं बायरक्टर टीबी2, जो तुर्किए

में बने हैं और दुनिया भर में अपनी

मारक क्षमता के लिए जाने जाते हैं.

बायरक्टर टीबी2 एक हाईटेक लड़ाकू

ड्रोन है, जिसे निगरानी और हमले

दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है.

ताछा ॲंब्ड सारिज

FANCY SHALU LACHA LEHENGA YEOLA PAITHANI • PESHWAI POSITION PRINT | RANG KAT FANCY WORK ORGANZA WORK 'H.O. SILK ' SOUTH SILK SILK SAREE • DHARMAVARAM **WEDDING ONE PIECE / GOWN**

Sarafa Bazar, Itwari Nagpur | Time:10.00-7.30

रिश्वत मामले के आरोपी की दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली. दिल्ली 🖊 हाईकोर्ट में एंटी ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत

लेने के मामले में गिरफ्तार राउज एवेन्यू कोर्ट के आरोपी अहमद की अग्रिम जमानत और मामला रद्द करने की याचिका पर सुनवाई हुई. मामले पर सुनवाई कर रहे जस्टिस तुषार गेडेला ने आरोपी की ओर से पेश सीनियर मोहित माथुर से कहा कि आपने जो लिखा है उसमें आप मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग कर रहे हैं. इस दौरान एडिशन स्टैंडिंग काउंसिल संजीव भंडारी ने कहा कि हमने कुछ सामग्री रिकॉर्ड पर दर्ज की है. हमने और सामग्री इकट्ठा की है, उसे रिकॉर्ड पर रखेंगे. मोहित माथुर ने कोर्ट को बताया कि हमें अग्रिम जमानत के लिए अलग से याचिका दाखिल करने को कहा गया था. सेशन कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी. दायर याचिका पर हमारा जोर पक्षपात पर आधारित है. हमने याचिका को ट्रांसफर करने के लिए कहा. कोर्ट ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट आपके लिए दुर्भाग्यशाली है, जांच चल रही है, हम यह तय नहीं कर रहे हैं कि यह सही है या गलत. इसमें कुछ ऐसा खुलासा हुआ है जो जाहिर तौर पर आपको फंसाता हआ मालूम होता है. आपने हमारी भावना को ठेस पहुंचाई है, हम आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं. संजीव भंडारी ने मामले की सुनवाई शुक्रवार को करने की मांग की और कहा कि अगर मैं और सामग्री पेश करता हं, तो अदालत तय करेगी कि यह प्रासंगिक है या नहीं. मोहित माथुर ने कहा कि पक्षपात का मामला बनाया गया, जिससे मुश्किलें बढ गईं. इस केस की पूरी शुरुआत ही जांच अधिकारी से हुई. जिस जांच

अधिकारी के खिलाफ मैंने शिकायत

की थी, उसी को इस केस में भी

जांच अधिकारी बनाया गया है. 30

फरवरी तक न्यायिक अधिकारी के

खिलाफ कुछ नहीं था. 16 मई को

एफआईआर हुई.

पीएम से मिलेंगे ऑपरेशन सिंदूर डेलिगेशन के सदस्य

9-10 जून को हो सकती है मुलाकात नई दिल्ली.

पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदर पर विदेशों का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मिले सकते हैं. विदेश दौरे से लौटने के बाद 9-10 जून को मुलाकात हो सकती है. जानकारी के मुताबिक, डेलिगेशन के सदस्य प्रधानमंत्री मोदी को दनियाभर में हुई बातचीत की जानकारी देंगे. दुनिया भर में सात प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं, जो ऑपरेशन सिंदर पर कई देशों का दौरा कर भारत का पक्ष रख रहे हैं. ऑपरेशन सिंदर का उद्देश्य पाक और पाक अधिकत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करना

'मेक इन इंडिया' के तहत

राजस्थान में रक्षा क्षेत्र को

नई पहचान मिलने जा

रही है. ऑपरेशन सिंद्र

की सफलता के बाद

तहत अत्याधुनिक राइफलों और

मल्टी बैरल मशीन गन का निर्माण

जोधपुर से शुरू होने जा रहा है. इस

दिशा में जोधपुर को बड़ी उपलब्धि

मिली है, जहां 1500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से संबंधित

समझौता ज्ञापन (एमओयू) अब

धरातल पर उतरने के लिए तैयार

है. इसके लिए रक्षा मंत्रालय से

आवश्यक अनुमतियां मिल गई

हैं और फील्ड परीक्षण भी सफल

राजस्थान न केवल देश के रक्षा

क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति

'मेड इन इंडिया' अभियान के

इन राजस्थान' को भी स्थापित

करेगा. वैश्विक मानकों के अनुरूप,

निर्यात के लिए भी तैयार, रक्षा

स्टार्टअप से जुड़े प्रमुख उद्योगपति

रविन्द्र सिंह राठौड़ के अनुसार, इस

परियोजना के तहत निर्मित किए जा

रहे हथियारों का परीक्षण पहले ही

इन परीक्षणों के परिणाम काफी

उत्साहजनक रहे हैं. रक्षा मंत्रालय

ने इस परियोजना को दो चरणों में

मंजूरी दी है, जिससे ये हथियार

विदेशों में किया जा चुका है.



पहलगाम में हए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे. इस ऑपरेशन के बाद केंद्र सरकार ने वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और पाक-प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करने के लिए एक सर्वदलीय डेलिगेशन भेजने

उपयोगी होंगे, बल्कि इनका निर्यात

भी किया जा सकेगा. फिलहाल,

अफ्रीकी देश टोगो और एशियाई

देश थाईलैंड ने इन हथियारों में

रुचि दिखाई है, जो इस बात का

प्रमाण है कि राजस्थान की यह

तकनीक अंतरराष्ट्रीय बाजार में

प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखती

है. मिलिट्री ग्रेड स्नाइपर राइफल:

लंबी दुरी तक सटीक हमला, इस

परियोजना के तहत मिलिटी ग्रेड

स्नाइपर राइफल तैयार की जा रही

तक सटीक निशाना लगाने के लिए

डिजाइन किया गया है. यह राइफल

सटीकता हासिल करने में सक्षम है,

साथ लंबी दुरी तक निशाना लगा

सकती है. परीक्षण में यह राइफल

2.4 किलोमीटर तक प्रभावी फायर

साथ ही, यह अलग-अलग जलवायु

और भौगोलिक परिस्थितियों में

स्थिर और ससंगत प्रदर्शन कर रही

है, जो इसे हर मौसम और मोर्चे

पर उपयोगी बनाता है. गौरतलब है

कि यह राइफल 100 फीसदी 'मेड

इन इंडिया' होगी, यानी इसका हर

हिस्सा देश में ही निर्मित होगा.

करने में सफल रही है.

जोधपुर में बनेगी आधुनिक राइफल और मल्टी बैरल गन

अब 'मेड इन राजस्थान' ब्रांड के न केवल भारतीय सेना के लिए

इसका मतलब यह है कि अब है, जिसे विशेष रूप से लंबी दरी

दर्ज कराने जा रहा है, बल्कि सब-एमओए (मिनट ऑफ एंगल)

तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'मेड यानी यह बहत कम विचलन के

था. यह अभियान 22 अप्रैल को का फैसला किया था. 7 मई को हुई थी ऑपरेशन सिंद्र की शुरुआत, पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदर चलाया था. ऑपरेशन सिंदर के लिए भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी के ठिकानों को ध्वस्त किया था. भारत ने एकसाथ आतंकी के 9 ठिकानों को टारगेट

महाराष्ट्र के महत्वाकांक्षी समृद्धि

महामार्ग का अंतिम 76 किलोमीटर

क्या है सर्वदलीय डेलिगेशन का उद्देश्य

📣 सर्वदलीय डेलिगेशन का उद्देश्य यह था कि भारत का पक्ष दुनिया के सामने मजबूती से रखना, पाकिस्तान ने प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करना, ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति के रूप में प्रस्तुत करना और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह दिखाना कि भारत की कार्रवाई संतुित, सटीक और गैर-विस्तारवादी थी, जिसमें केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया.

कर उसे तबाह किया था. भारत की. 10 मई को पाकिस्तान के के इस हमले में 100 से ज्यादा पाकिस्तान ने भारत पर हमले की

भारत ने पाक को दिया मुंहतोड जवाब, मगर भारत ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया. भारत ने पाकिस्तान के सभी हमले को नाकाम कर दिया. भारत के जवाबी हमले से डरकर पाकिस्तान ने युद्धविराम की बात कर इसे भी नाकाम कर दिया.

डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ आतंकी मारे गए. इस हमले के बाद से बात कर युद्धविराम की बात कही. इसके कुछ घंटे के बाद सीजफायर की घोषणा की गई. हालांकि, इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया जम्मू के कुछ सेक्टरों में ड्रोन से हमले की कोशिश की लेकिन भारत ने जवाबी कार्रवाई

समृद्धि महामार्ग का अंतिम हिस्सा 5 को होगा शुरू

सीएम फडणवीस करेंगे उद्घाटन



का हिस्सा 5 जून 2025 से आम लोगों के लिए खुल जाएगा. सूबे के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस हिस्से का उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही 701 किलोमीटर लंबे मुंबई-नागपुर सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे का सफर लोगों के लिए आसान हो जाएगा. इस बात की जानकारी महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के सूत्रों ने दी. इस एक्सप्रेस-वे के आखिरी चरण के खुलने से अब वाहन चालकों को मुंबई से नागपुर जाने में काफी सहलियत होगी. यह खंड 1,182 करोड की अनुमानित लागत से तैयार किया गया है, जिसकी वित्तीय साझेदारी एमएसआरडीसी और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने की है. इस हिस्से में तीन इंटरचेंज बनाए गए हैं. इगतपुरी, शाहापुर के कुतघर में और ठाणे के अमाणे में इंटरचेंज बनाए गए हैं. एमएसआरडीसी के मृताबिक इस खंड में 7.8 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है, जो देश की सबसे लंबी सुरंग है. महाराष्ट्र का ये अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है. 90 मिनट से घटकर 40 मिनट का होगा सफरः फिलहाल पुराने मुंबई-नासिक राजमार्ग से वाहन चालकों को कसारा घाट से होते हुए पश्चिमी घाट की 450 मीटर ऊंचाई

तक चढ़ना पड़ता है. समृद्धि महामार्ग नागपुर से शिरडी तक था, जिसका के इस नए खंड से ऊंचाई केवल 160 मीटर तक सीमित रह जाएगी और इगतपुरी से अमाणे की यात्रा का समय 90 मिनट से घटकर मात्र 40 मिनट रह जाएगा. जिससे वाहन चालकों का काफी समय बचेगा और उन्हें आसानी भी होगी. इस खंड से इगतपुर का उद्घाटन मार्च 2024 के चालू होते ही 701 किलोमीटर में तत्कालीन एमएसआरडीसी मंत्री लंबा नागपुर-मुंबई समृद्धि महामार्ग पूरी तरह से चालू हो जाएगा, जिससे इस एक्सप्रेस-वे को आधिकारिक नागपुर से मुंबई की यात्रा का समय 16 घंटे से घटकर केवल 8 घंटे रह जाएगा. 55,000 करोड़ की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेस-वे 150 किमी प्रति घंटा की गति के लिए

डिजाइन किया गया है और इसमें 33 प्रमुख पुल, 274 लघु पुल, 65 फ्लाईओवर और 6 सुरंगें शामिल हैं, जिनमें से सबसे लंबी सुरंग कसारा घाट में है. यह महामार्ग 10 जिलों और 390 गांवों से होकर गुजरता है. समृद्धि महामार्ग का पहली चरण

उद्घाटन दिसंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. दूसरे चरण शिर्डी से भरविर (नासिक) था. जिसका उद्घाटन मई 2023 में तत्कालीन मख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया, जबकि तीसरे चरण भरविर दादा भुसे ने किया था.

रूप से हिंद हृदय सम्राट बालासाहब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग नाम दिया गया है. यह परियोजना मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की परिकल्पना थी, जिसे प्रारंभिक वर्षों में भिम अधिग्रहण का विरोध झेलना पडा था. खास बात ये है कि यह मार्ग 10 जिलों और 390 गांवों से होकर गुजरता है. उम्मीद है कि इसके जरिए महाराष्ट्र में व्यापार, परिवहन और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी.

नाटो में शामिल हो सकता है तालिबान

इसका डिज़ाइन सिंपल लेकिन घातक भरोसेमंद रहा, न ही रूस का.

> रूस और पाकिस्तान में मची हलचल



की तालिबान सरकार नाटो की सदस्यता लेने की तैयारी में जुट गया है. इसका खुलासा रूस के विदेश मंत्री लावरोव ने किया है. लावरोल के मुताबिक अमेरिका और पश्चिमी देश अफगानिस्तान को नाटो मेंबर बनाने की कवायद में जुटा है. ऐसा होता है तो रूस इसे बर्दाश्त नहीं करेगा. वहीं लावरोव के इस बयान ने पाकिस्तान की भी नींद उड़ा दी है. दरअसल पाकिस्तान का पश्चिमी भाग

अफगानिस्तान से लगा है. पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर की लंबाई करीब 2600 किमी है. रूस ने अफगानिस्तान के नाटो में शामिल होने की बात उस वक्त कही है, जब पाकिस्तान ने पहली बार काबुल में द्तावास खोलने का फैसला किया है. रविवार को काबुल में पाकिस्तान ने दतावास खोलने का ऐलान किया था. पाकिस्तान पहला देश है, जिसने तालिबान शासन में दतावास खोलने का फैसला किया है. 2021 में अफगानिस्तान की चुनी हुई सरकार को बंदक के बल पर तालिबानियों ने भगा दिया, तब से तालिबान को किसी भी देश ने आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है.

लावरोव के मताबिक नाटो की कोशिश रूस को अफगानिस्तान से अलग-थलग करने की है. ऐसा होता है तो अफगानिस्तान स्वतंत्र नहीं रह पाएगा, अफगानिस्तान पाकिस्तान का पडोसी मुल्क है. नाटो की सदस्यता अगर अफगानिस्तान को मिलती है तो पाकिस्तान उस पर कभी भी हमला नहीं कर पाएगा.

दरअसल, नाटो के संविधान के मुताबिक उसके किसी एक सदस्य पर अटैक होता है तो उसे संगठन सभी सदस्यों पर हमला मानता है. यानी अफगानिस्तान पाकिस्तान पर अटैक भी करता है या कोई जुर्रत भी करता है, तो पाकिस्तान के पास चुप रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा. वर्तमान में अफगानिस्तान से प्रायोजित आतंकवादियों को लेकर पाकिस्तान मुखर है. अफगानिस्तान इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रहता है.

रूस के एयरबेस पर यूक्रेन का ड्रोन से हमला

क्यीव. रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन ने रूस के एयरबेस पर किये गए एफपीवी ड्रोन हमले को हाल के समय की सबसे रणनीतिक और इनोवेटिव सैन्य कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है. इस हमले ने न सिर्फ रूस की सैन्य संरचना को झटका दिया बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि अब युद्ध के तरीकों में कितनी तेजी से बदलाव आ रहा है. यूक्रेन के ड्रोन हमले, और भारत की तैयारी पर क्या कह रहे एक्सपर्ट? भारत के डिफेंस एक्सपर्ट्स और पूर्व सेना अधिकारी कर्नल देवेश सिंह (रिटायर्ड) ने आजतक से बातचीत में कहा कि यह हमला न सिर्फ शानदार योजना का हिस्सा था बल्कि यह भविष्य के युद्ध की झलक भी है.

े हादसा टला

इंडिगो फ्लाइट की पक्षी से टक्कर के बाद इमरजेंसी लैंडिंग



रांची. रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर

सोमवार को बडा हादसा टल गया.

रहा है कि गिद्ध के टकराने से विमान एयरबस 320 को नुकसान पहुंचा है और विमान का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है. बर्ड हिट की जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम मौके पर पहुंच गई फिलहाल इंजीनियर नुकसान का

की लैंडिंग कराई. बताया जा

आकलन कर रहे हैं. यह घटना दोपहर 1.14 बजे के करीब हई.

यहां इंडिगो की फ्लाइट टेक ऑफ के समय एक पक्षी से टकरा गई. जिसके अधिकारी ने बताया कि रांची आ बाद पायलट ने विमान की सुरक्षित रहा विमान कोलकाता जाने वाला आपात लैंडिंग कराई. हालांकि इस था. हालांकि जब तक पूरी जांच नहीं घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है हो जाती, तब तक विमान को उड़ाने और विमान में सवार सभी 175 यात्री की इजाजत नहीं होगी. इस मामले बाल-बाल बच गए. लोगों ने पायलट की जांच एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ की सूझबूझ की सराहना की है. इंडिया की टीम ने शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक पटना से उड़ान बताया जा रहा है कि पक्षी विमान भरकर इंडिगो एयरलाइंस का विमान के अगले हिस्से (नोज सेक्शन) से रांची एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था. टकरा गया था जिसके बाद पायलट ने लेकिन अचानक से एक पक्षी फ्लाइट विमान को सुरक्षित तरीके से रनवे पर टकरा गया, जिसके बाद पायलट ने उतार लिया. हालांकि कुछ देर के लिए पहले तो अपना संतुलन खोया, लेकिन विमान में सवार लोगों में भी दहशत बाद में संतुलन संभालते हुए करीब का माहौल पैदा हो गया था, हालांकि 40 मिनट तक हवा में रहा इसके पायलट की सूझबूझ से सभी लोग बाद सफलतापूर्वक उन्होंने विमान सुरक्षित हैं.

नई दिल्ली.

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि विधानसभा नियमावली के नियम 280 की समीक्षा की जाएगी और उसमें संशोधन कर उसे लोकसभा और राज्यसभा की प्रक्रिया के अनुरूप बनाया जाएगा. यह बदलाव एनसीटी दिल्ली (संशोधन) अधिनियम, 2021 के अनुसार किया जाएगा. इसके साथ ही विधान भाषा को सरल बनाने और लैंगिक-निरपेक्ष शब्दों के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जाएगा ताकि विधानसभा की कार्यप्रणाली अधिक समावेशी, स्पष्ट और समानता आधारित बन सके. दरअसल आठवीं विधानसभा अपने 100वें कार्य दिवस (4 जून 2025) के निकट पहुंच रही है. इस दौरान कई ऐतिहासिक निर्णय और सुधार किए गए हैं. इन उपलब्धियों को कार्य हुआ जो पिछले 25 सालों में

> लोकसभा-राज्यसभा की प्रक्रिया के अनुरूप होंगे नियम

दिल्ली विधानसभा नियमों में होगा बदलाव

रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जा रहा है, जिसमें विधानसभा के पहले 100 दिनों की प्रमुख उपलब्धियां, निर्णय और सुधारों का विवरण होगा. यह प्रकाशन पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधारवादी शासन के प्रति विधानसभा की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा. अब तक 2 पूर्ण सत्र और कुल 12 बैठकें, अब तक दो पूर्ण सत्र आयोजित किए जा चुके हैं, जबकि पहले हर साल केवल एक सत्र होता था. कुल 12 बैठकें हुईं, जिनमें 46 घंटे 16 मिनट तक

केंद्र सरकार कर रही मदद

अध्यक्ष ने यह भी बताया कि इस प्रयास में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है. केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि केंद्र के सहयोग से दिल्ली विधानसभा को एक राष्ट्रीय स्तर की धरोहर और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां इतिहास, संस्कृति और नागरिक शिक्षा का अनूठा संगम होगा.

कार्यवाही शाम 7 बजे तक चली. अब सदन को अवसान (प्रोरोगुएड) किया जा रहा है, न कि अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, जो अधिक नियोजित और जवाबदेह विधान कार्य प्रणाली की ओर संकेत करता है. ट्रांसजेंडर और दिव्यांग लोगों के लिए समितियां गठित विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और ट्रांसजेंडर व दिव्यांग व्यक्तियों के हितों की रक्षा हेतु दो नई समितियां गठित की गई हैं. इन समितियों के ढांचे और कार्यप्रणाली

किया जाएगा, जहां लोकसभा और राज्यसभा की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का अध्ययन कर उन्हें अपनाया जाएगा. वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की छह लंबित रिपोर्ट्स को इस अवधि में सदन में प्रस्तृत किया गया. इसके साथ ही, एक विशेष ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम (एपीएमएस) मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है, जिससे ऑडिट सिफारिशों की निगरानी, अनुपालन और वित्तीय चिन्हित करने के लिए एक विशेष सबसे अधिक रहा है जिसमें कई बार को नियम समिति के समक्ष प्रस्तुत पारदर्शिता में सुधार होगा.

बिहार का प्रसिद्ध सोनपुर मेला होगा आधुनिक

पटना. बिहार का सोनपुर मेला एशिया भर में जा रही है. बिहार में पर्यटन, रोजगार और राजस्व

विख्यात है. देश-विदेश के तमाम सैलानी यहां बढ़ाने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है. आते हैं. बिहार सरकार अब सोनपुर मेले के इस संबंध में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आधुनिकीकरण का प्लान बना रही है. मेले के ने पूरी जानकारी सामने रखी है. उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने 24.28 करोड़ सोनपुर मेला स्थल, सारण में पर्यटकीय सुविधाओं रुपये स्वीकृत किए हैं. प्लान के मुताबिक मेले के के विकास और आधुनिकीकरण के लिए 24.28 दौरान सैलानियों को किसी प्रकार की परेशानी न करोड़ रुपये की योजना को प्रशासनिक स्वीकृत दे पर्यावरण-संवेदनशील स्थल के रूप में विकसित

स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 की उप-योजना के तहत सोनपुर मेला विकास की योजना को मंजूरी दी गई है. इससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढावा मिलेगा. उन्होंने कहा कि सरकार सोनपुर मेले को देशभर में ही नहीं, बल्कि वैश्विक पर्यटन के लिए डिजिटल और

हो, हर तरह की सुविधाएं मिले- इसकी तैयारी की 🏻 दी गई है. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि 🔻 कर रही है.

एक लाख के पार जाएगा सोना

आंकड़ों को देखें तो सोने के दाम 1,630 रुपए प्रति दस ग्राम तक

उछल गए. उसके बाद कीमतें 97,505 रुपए प्रति दस ग्राम की

तेजी के साथ दिन के हाई पर पहुंची.अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि

क्या गोल्ड के दाम एक लाख रुपए के पार फिर से पहुंच पाएंगे. वैसे

HDFC BANK

एचडीएफसी बैंक के महाराष्ट्र के

ब्रांच बैंकिंग प्रमुख तरुण चौधरी ने कहा,

ऑटो लोन मेला संभावित खरीदारों और

डीलरों को एक ही छत के नीचे लाकर

कार खरीदने का एक सरल और सहज

आकर्षक ऑफर्स और लोन की सुविधा

का लाभ उठा सकेंगे। यह ग्राहक केंद्रित

दृष्टिकोण और सुविधा प्रदान करने की

हमारी निरंतर यात्रा में एक और महत्वपूर्ण

के माध्यम से बताती है कि कैसे छोटे

से काम समूह को जिम्मेदार बनने के

िलए प्रेरित कर सकते हैं। समृद्ध, उच्च-

प्रभाव वाले दृश्यों की मदद से यह कैंपेन हैप्पीडेंट की महान विरासत को

श्रद्धांजलि देता है - जिसमें पैलेस और

फ़ोटोग्राफ़र ऐड जैसे यादगार क्लासिक

शामिल हैं. जबकि आज की दनिया के

लिए इसके विज्ञापन को तैयार किया

करेगा। पात्र ग्राहक मौके पर ही

महाराष्ट्र में एचडीएफसी का ऑटो मेला

संभावित दोनों प्रकार के ग्राहकों के लिए

तरह से डिजिटल, बिना किसी कागजी

कार्रवाई और संपर्क रहित प्रक्रिया प्रदान

करता है, जिससे डीलरों को सिर्फ 30

मिनट में ऑटो लोन वितरित किया जा

सकता है। एचडीएफसी बैंक के एक्सप्रेस

कार लोन के जरिए ग्राहक बिना किसी

दस्तावेज़ झंझट के और 100% डिजिटल

तरीके से मात्र 30 मिनट में अपनी सपना

अपनी दिलकश आवाज में गाया है

और बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीतकार

शांतनु मोइत्रा ने इसे संगीत दिया है। इस

कैंपेन को उपभोक्ताओं की नई पीढ़ी

को ध्यान में रखकर तैयार किया गया

है, जो प्रामाणिकता, प्लेफुलनेस और

के व्यवहार पर आधारित, यह फिल्म

सापेक्षता, जोश और एक छोटे से संदेश

सांस्कृतिक परंपरा और रोजाना

उद्देश्य को महत्व देते हैं।

गाड़ी हकीकत में बदल सकते हैं।

'एक्सप्रेस कार लोन' प्लेटफॉर्म परी

उपलब्ध है।

भारत की अग्रणी निजी क्षेत्र की बैंक

एचडीएफसी बैंक महाराष्ट्र में दो दिवसीय भव्य 'ऑटो लोन मेला' आयोजित करने जा रही है। यह मेला 3 और 4 जून 2025 को महाराष्ट्र की 325 शाखाओं में (मुंबई को छोड़कर) आयोजित किया

जाएगा। क्षेत्र की प्रमुख चार पहिया

वाहन डीलरशिप अपने नवीनतम वाहन

इस मेले में प्रदर्शित करेंगी। मेले में आने

वाले ग्राहक गाडियों को देख सकते हैं

और टेस्ट ड्राइव भी ले सकते हैं, जबकि

पात्र ग्राहकों को मौके पर ही लोन की

मंजूरी और आसान किस्तों में चुकाने की

मंच प्रदान करेगा, जो खरीदारों को

भरोसेमंद गाड़ी डीलरों से जोड़ने का

काम करेगा, और एचडीएफसी बैंक के

'एक्सप्रेस कार लोन' के जरिए सहज

लोन वितरण सुनिश्चित करेगा। यह

सुविधा एचडीएफसी बैंक के मौजूदा और

भारत में सबसे अधिक लोकप्रिय

च्यइंग गम ब्रांड में से एक पर्फेटी वैन

प्रस्तुत की है जो दिलचस्प मगर

उद्देश्यपूर्ण है। नया कैंपेन चमकिंग

गमः चमका मुस्कान जगमग जहान,

एक नए, सिनेमाई अंदाज में ब्रांड की

शानदार स्टोरीटेलिंग को एक नया रूप

देती है - जो एक चमकदार मुस्कान

के जाद और कल्पना को प्रेरित करने

की इसकी ताकत से दर्शकों को एक

विजुअल से भरपूर नरेटिव दुनिया की

तैयार किए गए इस कैंपेन की अगुवाई

जाने-माने क्रिएटिव लीडर प्रसून जोशी

कर रहे हैं, पृष्ठभूमि गीत के बोल उनकी

कलम से निकले हैं और इसे उन्होंने

मैककैन वर्ल्डग्रुप इंडिया द्वारा

सैर कराता है।

ने एक शानदार नई ऐंड फिल्म

मेले इंडिया की हैप्पीडेंट

यह ऑटो लोन मेला एक एकीकृत

सुविधा मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सोने की कीमत में आई गिरावट

ऑपरेशन सिंदर के बाद गोल्ड की कीमतों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है. 6 मई के बाद से सोने की कीमतों में 2000 रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. खास बात तो ये है कि गोल्ड की कीमतों जन के पहले कारोबारी दिन 1600 रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के वायदा बाजार में गोल्ड के दाम कितने हो गए हैं.ऑपरेशन सिंद्र के बाद गोल्ड की कीमतों में अच्छी खासी गिरावट देखने को मिल



को लेकर कम होती टेंशन है. खासकर चीन और अमेरिका के बीच चल रही ट्रेड वार्ता ने काफी अहम योगदान दिया है.आंकड़ों को देखें तो गोल्ड

सोर ऊर्जा से समृद्ध खेती को

की कीमतों में 2000 रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है.

एमसीएक्स के अनुसार 6 अप्रैल को

अपनी जमीन परियोजनाओं के लिए

पट्टे पर देकर प्रति हेक्टेयर सालाना

₹.25 लाख तक कमा रहे हैं। इससे

उन्हें अतिरिक्त आय मिल रही है,

वहीं स्थानीय युवाओं और महिलाओं

के लिए रोजगार और कौशल विकास

के नए अवसर भी पैदा हुए हैं। ग्राम

पंचायतों को भी इससे वित्तीय मजबूती

कृषि में कार्बन उत्सर्जन को कम

करने में सहायक है, बल्कि जलवायु

अनुकूलन क्षमता को भी बढ़ा रहा है।

यह पहल भारत के 2030 तक 500

गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित

ऊर्जा लक्ष्य को हासिल करने में

अवादा का यह कार्य न केवल

जानकार इस मामले में अभी श्योर दिखाई नहीं दे रहे हैं. जानकारों का मानना है कि गोल्ड के दाम को एक लाख रुपए पहुंचने में वक्त लगेगा. बंद हए थे. जबिक 2 जून को कीमतें शुरुआती कारोबार में 96,101 रुपए पर थी.वैसे जून के पहले कारोबारी दिन गोल्ड की कीमतों में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल रहा है. 2 जून को देश के वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी

हैं.एमसीएक्स के आंकड़ों के अनुसार सोने के दाम दोपहर एक बजकर 20 मिनट पर 1,531 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी देखने को मिल रही है और

सोने के दाम 97,406 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहंच गए हैं.वैसे कारोबारी सत्र एक्सचेंज पर गोल्ड के दाम रॉकेट के

के दौरान गोल्ड की कीमतों में और भी रफ्तार से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे तेजी देखी गई है.

हैप्पीडेंट लेकर आया 'चमकिंग'

500 का नोट बना पहली पसंद



का 86 प्रतिशत का हिस्सा बनाते हैं. 2026 तक यह आंकड़ा 90 प्रतिशत

करेंसी डिज़ाइन में बड़ा बदलाव संभव

नोटों पर हिंदु मंदिर और बौद्ध मठों की तस्वीर जल्द ही छपने वाली है. दरअसल बांग्लादेश में रविवार 1 जून को बड़ा फैसला लिया गया और यहां के नोटों पर से पूर्व प्रधानमंत्री शेख मूजीबर रहमान की फोटो हटाकर हिंदु मंदिर और बौद्ध मठों की तस्वीर लगाने का फैसला किया गया है. आपको बता दें पूर्व प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता है. शेख हसीना का तख्तापलट बीते साल छात्र आंदोलन के बाद हुआ था, जिसके बाद उन्हें भारत में शरण लेनी पदी इसके साथ ही उन्होंने बताया कि बांग्लादेश की नई करेंसी की बड़ा बदलाव हुआ था.

डिजाइन तैयार हो गई है और जल्द ही

10000/-

दुसरे बक्षिस रु.

5000/-

1000/-

1051 1611

1320

2327

3197

2148 2333 3309 4360 4994 5622 2239 2499 3356 4407 5034 5673 2240 2622 3618 4459 5190 5889 2263 2920 3652 4460 5207 5895 2291 3053 3683 4464 5229 6169 2314 3073 3860 4633 5242 6189 2316 3075 4004 4674 5382 6479

इसके साथ ही जो छोटे नोट है जैसे 20, 50,100, 200 रुपए के नोटों की हिस्सेदारी संख्या में 35.6 प्रतिशत और वैल्यू में केवल 10.9 प्रतिशत है. ये नंबर ऐसे समय में आए हैं जब सरकार और रिजर्व बैंक दोनों ही छोटे प्राइस के नोटों और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के एरिया में लगातार काम कर रहे हैं.वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में छोटे डिनॉमिनेशन के नोटों और डिजिटल पेमेंट को बढावा देकर और आसान बनाने का प्रयास कर रही है.अप्रैल में. भारतीय रिजर्व बैंक ने अनिवार्य किया कि 30 सितंबर 2025 तक कम से कम 75 प्रतिशत एटीएम को 100 या 200 रुपए के नोट देने लायक बनाया जाएगा और मार्च

भारतीय रिजर्व बैंक आगामी महीनों में मौद्रिक नीति में नरमी दिखा सकता है. भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में महंगाई दर में आई गिरावट को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में रेपो रेट में कुल 125 बेसिस प्वाइंट (1.25%) तक की कटौती संभव है. मार्च 2025 में उपभोक्ता मुल्य सचकांक पर आधारित महंगाई दर 3.34% रही, जो पिछले 67 महीनों का न्यूनतम स्तर है.रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जन और अगस्त 2025 में होने वाली मौद्रिक नीति बैठकों में आरबीआई 75 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर सकता है. वहीं, शेष 50 बेसिस प्वाइंट की

MG-09: 2346

6660

7558

4994 5622 6792

6334



कटौती वित्तीय वर्ष की दसरी छमाही में संभावित मानी जा रही है.

एसबीआई का कहना है कि वर्तमान में महंगाई दर काफी हद तक नियंत्रित है और आगे भी इसके सामान्य रहने की उम्मीद है, इस स्थिति

में एक बार में 0.5% की कटौती करनी चाहिए, जो 0.25% की तुलना में अधिक प्रभावशाली होगी.रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2025-

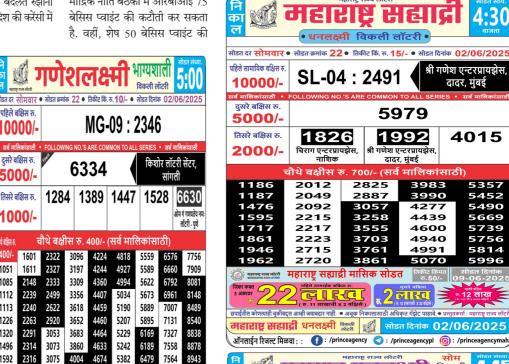
4015

5669

में केंद्रीय बैंक को रेपो रेट

26 के दौरान भारत की सकल घरेल उत्पाद वृद्धि दर चालू कीमतों पर 9

से 9.5 प्रतिशत के बीच रह सकती है. कम महंगाई और स्थिर विकास दर के माहौल में नीतिगत दरों में कटौती की मजबूत संभावना बनती है.



महाराष्ट्र गजलक्ष्मी विकली 4:45 0371 2877 | 9335 7031 6834 10,000/-5479 9357 5000/-1815 2002 5361 6376 8965 तिसरे बक्षिस रु 2000/-

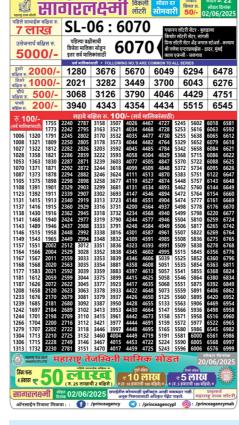
3299 6015 7133 7839 8454 9292 9313 9483 9626 9775 0295 2329 2909 4562 5129 5664 6144 6599 7515 8465 500/-

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : 🚺 : /princeagency 🥑 : /princeagencypl

प्रविण कडु : 9822472123

तक बढ़ जाना चाहिए.

नए नोट चलन में आ जाएंगे. वहीं आरिफ हसैन ने बताया कि अब बांग्लादेश के नोटों पर किसी इंसान की फोटो नहीं होगी. इसकी जगह नोटों पर बौद्ध और हिंद मंदिर के साथ जैनुल आबेदीन की कलाकृति और राष्ट्रीय शहीद स्मारक की फोटो छपी होंगी. ये तस्वीरें साल 1971 के मिक्त युद्ध के दौरान मारे गए सभी लोगों को श्रद्धांजिल देती हैं. खान ने आगे कहा, 'नए नोट सेंटल बैंक के हेडक्वार्टर से जारी किए जाएंगे. बाद में देशभर में इसके अन्य ऑफिस से भी जारी किए जाएंगे. बांग्लादेश में राजनीति के बदलते रुझानों को देखें तो 1972 में भी देश की करेंसी में



ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : 🚺 : /princeagency 🦪 : /princeagencypl 📵 : /princeagencyma १- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, १०- नितिन लॉटरी, साई मंदिर रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक ११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल १२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल १३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल १४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल १५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी १६- ख्वाजा लॉटरी आकाशवाणी चौक

सक्करदरा चौक १९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग २०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक २१-गजानन लॉटरी, अकोला 22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल 23- नारायण लॉटरी,

लेकर 'अवादा' की भूमिका अवादा ग्रुप महाराष्ट्र सरकार की 'मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना' के तहत राज्य में सौर ऊर्जा आधारित खेती को बढावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह योजना 2017 में

शरू हुई थी, जिसका उद्देश्य कषि-प्रधान क्षेत्रों में सौर ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित कर दिन के समय किसानों को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराना को दिन के समय स्थायी बिजली मिल था। इसकी सफलता को देखते हए अब इसका दुसरा चरण—एमएसकेवीवे रही है, जिससे सिंचाई और कृषि कार्यों 2.0 (मिशन 2025)—शुरू किया की दक्षता और उत्पादकता में बढोतरी गया है, जिसके अंतर्गत 2025 तक राज्य के 30% कृषि फीडरों को सौर अवादा द्वारा लगभग 875

ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य है। इसके मेगावाट के सौर पैनल महाराष्ट्र में ही लिए पूरे राज्य में 7,000 मेगावाट सौर इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जिससे 'मेक इन महाराष्ट्र' अभियान को भी बढ़ावा अवादा इस योजना में प्रमुख मिल रहा है। कंपनी का दृष्टिकोण केवल भागीदार है और राज्य के 10 प्रमुख तकनीकी समाधान तक सीमित नहीं है, जिलों में 1,132 मेगावाट की सौर बल्कि वह सामुदायिक सहभागिता, परियोजनाओं का विकास कर रहा संचालन एवं रखरखाव में भी निरंतर है। इन परियोजनाओं की खास बात सहयोग दे रही है। चेयरमैन श्री विनीत यह है कि ये 0.5 से 25 मेगावाट तक मित्तल के नेतृत्व में, अवादा ग्रामीण की विकेंद्रीकृत परियोजनाएँ हैं, जिन्हें क्षेत्रों को स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से वितरण उपकेंद्रों से 5-10 किमी के सशक्त बना रही है।

इस योजना के तहत कई किसान

महत्वपुर्ण योगदान दे रही है। भीतर लगाया जा रहा है। इससे किसानों आरबीआई के फैसले पर बाजार की नजर

सोमवार यानी 2 जून को इस हफ्ते की टेडिंग का पहला सेशन होगा. इंवेस्टर उम्मीद लगा रहे हैं कि इस हफ्ते शेयर बाजार में जबरदस्त हाईप मिलेगा, लेकिन ये हाईप इन्वेस्टर को तभी मिल सकता है, जब भारतीय रिजर्व बैंक की मीटिंग में शेयर बाजार के पक्ष में फैसला हो.4 से 6 जून के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एमपीसी की मीटिंग है, जिसमें रेपो रेट में कटौती पर फैसला हो सकता है. आपको बता दें इससे पहले अप्रैल में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती करने का फैसला किया था, जिसके बाद शेयर बाजार में जबरदस्त उत्साह देखने को

क्षमता स्थापित की जा रही है।



शेयर बाजार में बीता हफ्ता अनिश्चितताओं से भरा हुआ रहा. जहां बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 270.07 अंक या 0.33 प्रतिशत के नुकसान में रहा. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 102.45 अंक या 0.41 प्रतिशत नीचे आया. ऐसे में अब इंवेस्टर्स को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की आगामी 4 से 6 जून को होने वाली एमपीसी की मीटिंग से काफी उम्मीद है. भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से अधिक तेजी से बढी है. जिससे पूरे वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही है. इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3,900 अरब डॉलर हो गया है. इसका असर भी इस हफ्ते शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है.

एमपीसी में आरबीआई घटा सकता है रेपो रेट : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एमपीसीए की मीटिंग 4 से 6 जून के बीच होगी. कई रिपोर्ट्स के अनसार मौद्रिक नीति समिति की बैठक में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है. अगर लगातार दूसरी बार रेपो रेट में कटौती होती है तो इसका सीधा फायदा आम आदमी को होगा और उसकी ईएमआई सस्ती होगी, जिसका शेयर बाजार पर पॉजिटिव असर देखने को मिल सकता है.

टाटा का प्लान बदलेगा बाजार का खेल

नई दिल्ली.

मिला था.

टाटा संस अब अपने उभरते हुए बिजनेस में 30,000 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है. ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा इन पैसों को टाटा डिजिटल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर इंडिया के साथ -साथ डिफेंस और बैटरी यूनिट पर लगाएगी. कंपनी की ओर से ये अप्रवल गुरुवार को दिया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने एक बार फिर डिफेंस बिजनेस को रणनीतिक तरीके से आगे रखने पर सहमति जताई है.

इसके साथ ही कंपनी जल्द ही नया डिजिटल सीईओ की नियुक्ति भी करेगी. बता दें, कंपनी इस समय बिजनेस सेक्टर पर फोकस कर रही है और शुरुआती चरण बीत चुका है और प्रॉफिट पर ध्यान देने का समय आ चुका है. टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा डिजिटल पहले से ही टॉप 10 कंपनियों में शामिल है.

चंद्रशेखरन ने हाल ही में टाटा केमिकल्स के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है. वो फरवरी 2017 से टाटा संस के शीर्ष पद पर हैं और उन्हें 2022 में दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए



टाटा समूह की कंपनियों को 2020-24 की अवधि के दौरान मजबूत बढ़ोतरी के बाद वित्त वर्ष 25 में चुनौतियों का सामना करना पड़ा. राजस्व बढ़ोतरी वित्त वर्ष 24 में 12 प्रतिशत से घटकर 4.9 प्रतिशत रह गई. नेट प्रॉफिट में 10.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो पिछले वर्ष की 28

प्रतिशत बढ़ोतरी की तूलना में भारी गिरावट है. वहीं ऑपरेटिंग मार्जिन 10

प्रतिशत पर स्थिर रहा, जो वित्त वर्ष 24 में 11 प्रतिशत से थोड़ा कम है.

अनिश्चितताओं और क्षेत्रीय मंदी के बावजूद, ग्रुप की आधी से ज़्यादा कंपनियों ने दोहरे अंकों में राजस्व बढोतरी दर्ज की. टाटा कंसल्टेंसी

फिर से नियुक्त किया गया है.वैश्विक सर्विसेज सबसे ज्यादा योगदान देने वाली कंपनी रही, जिसने ग्रुप के नेट प्रॉफिट में 51 प्रतिशत का योगदान दिया, हालांकि यह पहले के 54 प्रतिशत से कम था.

२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन ३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ ४-साई लॉटरी, पंचशील चौक ५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी ६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी ७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक ८-मयूरी लॉटरी,

९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम

कमाल टॉकीज़, कमाल चौक १७- वैभव लॉटरी

इंदौरा चौक लष्करी बाग

शहीद चौक, इतवारी 24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

१८-चिकटे लॉटरी

> नहीं सुलझ रही नेताओं की आपसी खींचतान



राज्य में इस समय सियासी घमासान देखने को मिल रहा है. यहां मंत्री भरत गोगावले और एनसीपी नेता सुनील तटकरे के बीच राजनीतिक खींचतान ने नया मोड़ ले लिया है. दोनों नेताओं के बीच रुमाल को लेकर सियासत शुरू हो चुकी है. इस घटनाक्रम के बाद शिवसेना और एनसीपी के बीच तनाव बढ़ गया है. ये पूरा विवाद रायगढ़ जिले के संरक्षक मंत्री पद को लेकर माना जा रहा है. राज्य के मंत्री और शिवसेना नेता भरत गोगावले के समर्थकों ने रविवार को उनके जन्मदिन के अवसर पर रुमाल बांटे, इससे कुछ दिन पहले ही एनसीपी नेता सनील तटकरे ने अपने राजनीतिक प्रतिबंबी की 'रुमाल स्टाइल' का

पिछले महीने तटकरे ने एक पार्टी कार्यक्रम में अपने कंधे पर तौलिया रखा था, जो जाहिर तौर पर गोगावले के तौर-तरीकों का मजाक उड़ा रहा

था. रविवार को गोगावले के समर्थकों ने उनके जन्मदिन के अवसर पर नैपकिन बांटे थे. गोगावले और तटकरे

के बीच पुरानी अदावत रही है. इसने नया मोड़ तब लिया जब तटकरे की बेटी और महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे को रायगढ़ जिले का संरक्षक मंत्री बनाया गया, जिस पद पर गोगावले की पहले से ही नजर थी. इस फैसले के बाद से ही दोनों नेताओं के बीच टकराव देखने को मिल रहा है. विवाद से बचने के लिए और सरकार ने सब कुछ ठीक दिखाने के लिए रायगढ़ के संरक्षक मंत्री के फैसले पर रोक लगा दी थी. शिवसेना के भरत गोगावले, जो इजीएस मंत्री हैं, इस पद को चाहते थे, लेकिन यह पद महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अदिति तटकरे को मिला था. अदिति, सुनील तटकरे की बेटी हैं. जनवरी में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अदिति तटकरे की नियुक्ति पर रोक लगा दी थी. इसके पीछे की वजह शिवसेना का विरोध माना गया था.

शरद पवार को बड़ा झटका!

ये नेता अजित पवार की पार्टी में होंगे शामिल

सियायत अटकलें

तेज हैं कि अजित पवार की एनसीपी और शरद पवार की एनसीपी में विलय होगा. इसे लेकर लगातार महाराष्ट्र में बयानबाजी हो रही है. इस चर्चा के बीच उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अब राष्ट्रवादी शरद पवार गुट के अध्यक्ष शरद पवार को एक और बड़ा झटका दे दिया है. राष्ट्रवादी पार्टी (शरद पवार) के एक वरिष्ठ नेता अजित पवार गुट में शामिल होंगे. पूर्व विधायक बाबाजानी दुर्रानी शरद पवार का साथ छोडकर अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी पार्टी (एनपीए)

में शामिल होंगे. पूर्व विधायक बाबाजानी दुर्रानी राष्ट्रवादी अजित पवार गुट में शामिल होंगे. 8 जून को वह अपने कार्यकर्ताओं के साथ पाथरी में अजित पवार की उपस्थिति में राष्ट्रवादी अजीत पवार गुट में शामिल होंगे. बुलाई. इस बैठक में उन्होंने राष्ट्रवादी बताएंगे.

अजित पवार गुट में शामिल होने का फैसला किया है. इसे शरद पवार के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि अगले कुछ महीनों में स्थानीय निकाय चुनाव होने की संभावना है.एक तरफ राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि दोनों राष्ट्रवादी एक बार फिर साथ आएंगे, वहीं दसरी तरफ एनसीपी शरद पवार गुट का एक और नेता एनसीपी अजित पवार गुट में शामिल होने जा रहा है.

बाबाजानी दर्रानी के अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी पार्टी (एनसीपी) में शामिल होने की खबरों से राज्य की सियासत गरमा गई है. इस बीच शरद पवार से पूछा गया कि दोनों पवार कब एक साथ आएंगे? इस सवाल के जवाब में शरद पवार ने कहा कि उन्हें नहीं मालूम

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार गुट के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) विधायक रोहित पवार ने कहा कि ये सिर्फ चर्चाएं हैं. हमारे वरिष्ठों ने हमें इस बारे में कुछ नहीं बताया है, इसलिए ये सिर्फ चर्चाएं हैं. बाबाजानी दुर्रानी ने रविवार को पाथरी । रोहित पवार ने कहा है कि अगर हमें में अपने कार्यकर्ताओं की एक बैठक कुछ पता चलेगा तो हम आपको जरूर

प्याज के फसल हुए बर्बाद

मुंबई. नासिक जिले के प्याज किसानों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर प्रति एकड़ 1 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है. किसानों का कहना है कि मई महीने में असामयिक और अत्यधिक बारिश के कारण उनकी फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है. महाराष्ट्र प्याज उत्पादक संघ के अध्यक्ष भरत दिघोले ने बताया कि इस बार कई किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है, जिससे वे आर्थिक संकट में हैं. इस साल महाराष्ट्र में मई में सामान्य से 1007 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है, जहां सामान्य रूप से मई में 14.4 एमएम बारिश होती है, वहीं इस बार यह आंकड़ा 159.4 एमएम तक पहुंच गया. विशेष रूप से नाशिक-पुणे-अहिरगांव बेल्ट में भारी वर्षा हुई. पुणे और अहिरगांव में सामान्य वर्षा का लगभग 3 चौथाई से अधिक हिस्सा सिर्फ मई में ही बरस गया, जिससे प्याज की तैयार खड़ी फसल नष्ट हो गई. आमतौर पर मई में बारिश नहीं होती, लेकिन इस बार असामान्य मौसम ने किसानों को भारी आर्थिक झटका दिया है.

आज का राशिफल

मेष - आज खर्चों में वृद्धि हो सकती है। परिवार के बड़े-बुजुर्ग धन से जुड़ी कीमती सलाह दे सकते हैं। लव

लाइफ के लिहाज से दिन अच्छा रहने वाला है। वृषभ - सेहत पर आज नजर रखने

की जरूरत है। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। आज का दिन आपके परिवार में खुशियों की सौगात ला सकता है।

मिथुन - आज फिट रहने के लिए दिन की शुरुआत एक्सरसाइज से करें। आपको आर्थिक लाभ होगा। प्रेमी-प्रेमिका के बीच अनबन हो सकती है। कर्क - आज आपको घरेलू परेशानियां घेर सकती हैं लेकिन परेशान होने की जरूरत नहीं है आप इनका हल निकाल लेंगे। व्यापारिक उन्नति के संकेत हैं।

सिंह - आज आपको मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए अपने अतीत में जो भी पैसा निवेश किया था,

उसका आज फल मिलेगा। कन्या - आज आपका आर्थिक बोझ बढ़ेगा। अगर आप ग्रुप एक्टिविटी में शामिल होंगे तो आप नए दोस्त बनाएंगे। कार्यों को सफलतापूर्वक

करने में सफल रहेंगे।

तुला राशि- आज आत्मविश्वास व एनर्जी बढ़ी हुई रहेगी। एनर्जी बढ़ने से कार्यों में गति आएगी। जीवनसाथी कठिन परिस्थितियों में आपका साथ देगा।

वृश्चिक - आज आपको निवेश से बचना चाहिए, वरना नुकसान हो सकता है। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अपनों का साथ मिलेगा। धनु - आज मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए योग व ध्यान का सहारा लें। लंबी दुरी की यात्रा संभव है।आर्थिक रूप से दिन ठीक ठाक रहने

मकर - आज का दिन आपके लिए खुशी व आनंद से भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपके पिता की कोई सलाह फायदेमंद साबित हो सकती है। कुंभ - आज आपको किसी पुरानी बीमारी से राहत मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को शुभ समाचार मिल सकता

मीन - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। परिवार की सेहत का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। भवन या जमीन जायदाद के

लाड़की बहिन योजना में गड़बड़ी

नौकरीवाली महिलाएं भी उठा गईं लाभ

राज्य सरकार ने गरीब महिलाओं के लिए लाडकी बहीण योजना की शुरुआत की थी. इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं की मदद करना था. हालांकि इस योजना का लाभ कुछ ऐसी महिलाओं ने लिया है, जो सरकारी नौकरी कर रही थीं. अब इसको लेकर सरकार ने सख्त कदम उठाया है. राज्य सरकार ने लाडकी बहीण योजना में हेराफेरी

मुंबई के धारावी में जेप्टो के गोदाम में

खाने की चीजों पर फंगस, एक्सपायरी

सामान मिलने के बाद खाद्य एवं

औषधि प्रशासन (एफडीए) ज़ेप्टो

(ज़िप्तो) के लाइसेंस को निलंबित

कर दिया है. एफडीए ने जिस किराना

कार्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के गोदाम

में छापेमारी की थी वो गोल्ड फील्ड

प्लाजा बिल्डिंग में पहली मंजिल पर

है. जब वहां पहुंची तो गोदाम के

मैन गेट पर बाहर से ताला लगा था

और र पूरे परिसर की साफ सफाई

का काम चल रहा था. इस दौरान पूरे

फ्लोर पर सब्जियां, दध, दही और

अन्य पेरेशिबल सामान बिखरे पड़े

थे. वहीं मुख्य दरवाजे पर किराना

कार्ट टेक्नोलॉजीज कंपनी का बोर्ड

भी हटा दिया गया था. एफडीए ने 2

दिन तक इसी गोदाम में छापेमारी की

और ग्राहकों के स्वास्थ्य और नियमों

अगले आदेश तक निलंबित कर

दिया. वहीं इस गोदाम और स्टोर के

नीचे ज़ेप्टो कंपनी की कई टू व्हीलर

गाड़ियां खड़ी थी जो ऑनलाइन ऑर्डर

आने पर सामान की डिलीवरी करती

हैं. जिस जगह पर गाड़िया खड़ी थीं

की अनदेखी का आरोप

और गोदाम का लाइसेंस



पर सरकारी महिला कर्मचारियों से सरकारी योजना के पैसे वापस लेने का निर्णय लिया है.

सरकार ने इन महिलाओं पर सरकारी

और सरकार ने अब ऐसी सरकारी महिला कर्मचारियों को चिन्हित किया है. जिन्होंने सरकारी पद पर रहते हुए

महिलाओं से वसूली जाएगी राशि ?

🗶 इस योजना की बड़ी शर्त ये है की लाभार्थी महिला सरकारी कर्मचारी नहीं होनी चाहिए (क्योंकि इनकी आय सीमा पात्रता से अधिक है) लाड़की बहिन योजना के लाभार्थियों को लेकर जो जांच चल रही है. उसमें सामने आया है कि अब तक 2,652 महिला सरकारी कर्मचारियों ने अवैध रूप से इस योजना का लाभ लिया. इन कर्मचारियों से 3.58 करोड़ की वसूली की जाएगी. ये महिलाएं अगस्त 2024 से अप्रैल 2025 के बीच लाभ प्राप्त करती रहीं हैं. हर महिला ने अब तक करीब 13,500 का लाभ लिया है.

गरीब महिलाओं की इस योजना के उनसे वसूली जरूर की जाएगी. वहीं तहत हर महीने 1500 रुपये प्राप्त

राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस बारे में साफ कहा है कि सरकारी नौकरी करने वाली महिलाओं को लाडकी बहीण योजना का लाभ नहीं लेना चाहिए था. अब

कई सरकारी विभागों ने वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी है, अन्य विभागों को भी जल्द निर्देश दिए जाएंगे. पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 की वित्तीय सहायता मिलती है. योजना का लक्ष्यः महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, स्वास्थ्य व पोषण में

सुधार करना है. इस योजना में पात्रता की जो शर्तें है उसके मुताबिक महिला की उम्र: 21 से 65 वर्ष होनी चाहिए. आय सीमा: वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख से कम होना चाहिए. विवाहित, अविवाहित, तलाकशुदा विधवा, परित्यक्त, निराश्रित महिलाएं इस योजना की पात्र हैं.

ज़िप्तो पर अभी और गिरेगी गाज

बैठक में कुंभ को लेकर रूपरेखा तय की गई

🥊 इस बीच रविवार को हुई बैठक में कुंभ को लेकर रूपरेखा तय की गई. सीएम फडणवीस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि "त्र्यंबकेश्वर, नासिक में होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले २०२७ की पूर्व तैयारी बैठक में अमृत स्नान और प्रमुख पर्वों की तारीख निश्चित कर ली गई है. हमारी गोदावरी मां की निर्मल धारा अविरल बहती रहे, इस दृष्टि से कई योजना बनाई गई है. इस हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हमने 4000 करोड़ रुपये के कार्यों की शुरुआत के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं, जबकि लगभग 2000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं'



उसके के आसपास काफी गंदगी थी. एफडीए कमिश्नर राजेश नार्वेकर का कहना है कि ज़ेप्टो के गोदाम पर हमने जांच की, इस दौरान कई बातें सही नहीं थी, साफ सुथरा एनवायरमेंट नहीम था, गोदाम में कई जगहों पर गंदगी थी. उन्होंने कहा कि इसलिए

निलंबित कर दिया. उन्होंने ये साफ किया है कि ज़ेप्टो स्टोर का लाइसेंस रद्द नहीं किया गया है बल्कि निलंबित किया गया है.उन्होंने बताया कि कुछ जगह पर पानी था, कुछ जगह प्रोडक्ट में फंगस थे, कुछ जगह पर कूलिंग जितनी चाहिए थी वो नहीं थी. इसके

का भी उल्लंघन किया गया इसलिए भी कार्रवाई हुई. कमिश्नर ने कहा कि नोटिस दिया गया है. जिसके मुताबिक जो कमियां ग्राहक स्वस्थ, सुरक्षा और हाइजीन नियमों को लेकर पाई गई हैं उसमें सुधार किया जाता है तो आगे एफडीए ए डिपार्टमेंट ज़ेप्टो के लाइसेंस को नियमित भी कर सकता है।

कुर्बानी का हुक्म अल्लाह का': बोले आयोग अध्यक्ष



मुंबई. बकरीद पर कुर्बानी का कई हिंद संगठन विरोध कर रहे हैं. इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बैठक करेंगे. इस बैठक के एजेंडे में कानून-व्यवस्था शामिल है. इस दौरान महाराष्ट्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे. इस बीच महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान ने कुर्बानी पर कहा कि इस्लामी सिद्धांतों का पालन करना चाहिए. इस साल ७ जून को बकरीद मनाया

उन्होंने कहा, ''वाद-विवाद तो बिल्कुल नहीं होना चाहिए. देश में भाईचारा बना कर रखना चाहिए. हमें हजरत इब्राहिम अली सलाम की अवधारणा का पालन करना चाहिए. हमारी कुर्बानी से किसी को तकलीफ

नहीं हो. तभी जाकर हमारी कुर्बानी को अल्लाह स्वीकार करेंगे. प्यारे खान ने कहा, ''हम लोगों से कहेंगे कि जहां अनुमति है, वहां करें, नहीं है तो वहां नहीं करें. इससे समाज में देश में कोई वाद विवाद नहीं होगा. अल्लाह ने फरमाया है कि जहां रहते हैं, जिस देश-राज्य में रहते हैं वहां के नियम का पालन करना है. हमारे महाराष्ट्र में गौवंश पर पाबंदी है. तो बिल्कुल भी कुर्बानी नहीं देनी चाहिए.'' बता दें कि मुंबई के हाउसिंग सोसाइटी में कुर्बानी को लेकर विवाद होता रहा है. वहीं देवनार बकरा मंडी को लेकर भी विपक्षी पार्टी का कहना है कि यहां सरकार ने सुविधा नहीं दी है. कांग्रेस के नेता आज देवनार का

मस्जिदों के लाउडस्पीकर ही क्यों निशाने पर ?

मुंबई. महाराष्ट्र में मस्जिदों के लाउडस्पीकर को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता और महाराष्ट्र में विधायक अबू असीम आजमी ने शनिवार इसको लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है. सपा नेता ने बीजेपी पर मुस्लिम समुदाय को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया है. उन्हान कहा, बाजपा नता किराट सोमैया गली-गली जाकर मस्जिदों के लाउडस्पीकर हटाने की मांग कर रहे हैं और पुलिस उनके दबाव में कार्रवाई कर रही है.' इसके साथ ही आजमी ने सवाल उठाया कि 'हिंद् त्योहारों के दौरान लाउडस्पीकर का खुलकर इस्तेमाल होता है, लेकिन उस पर कोई विवाद क्यों होता? केवल मुसलमानों को ही क्यों टारगेट किया जाता है?' आजमी ने कहा, 'हम (मुसलमान) कानून का सम्मान

बारे में जानकारी नहीं दी है कि

महायुति में खींचतान चल रही

थी. महायुति में बीजेपी, एकनाथ

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना

और अजित पवार के नेतृत्व

वाली एनसीपी शामिल हैं.



पालन करेंगे. लेकिन नियम सबके सोमैया मंदिरों या अन्य धार्मिक स्थलों के लाउडस्पीकर पर सवाल क्यों नहीं उठाते?

वे सिर्फ मस्जिदों को ही निशाना बना रहे हैं, जो कि गलत है.' उन्होंने बीजेपी नेता नितेश राणे पर भी निशाना साधा, जो हाल ही में मुस्लिम त्योहारों, खासकर बकरीद की कुर्बानी को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं. आजमी ने इसे असहनीय

बताते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय नियमों के तहत बकरीद मनाएगा और इसे रोकने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी.' आजमी ने घोषणा की कि वह सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे और बकरीद के लिए शांतिपूर्ण और नियमों के तहत कुर्बानी के लिए अनुमति की मांग करेंगे. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पुलिस मस्जिदों लिए बराबर होने चाहिए. किरीट से लाउडस्पीकर हटाने का सिलसिला बंद नहीं करती, तो मुस्लिम समुदाय सड़कों पर उतरकर प्रोटेस्ट करेगा. वर्ली की एक मस्जिद के ट्रस्ट ने अपनी इच्छा से लाउडस्पीकर हटाने पर आजमी ने कहा कि 'झगड़ा टालने के लिए ट्रस्ट ने यह कदम उठाया, लेकिन डराकर या दबाव डालकर लाउडस्पीकर हटवाना गलत है. देश संविधान से चलेगा, किसी की

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण विभाग, नागपूर

ई-लिलाव सूचना क्रमांक 1 सन 2025-2026 (प्रथम मागणी)

सहारा सिटी पाणी पुरवठा योजना तालुका नागपूर, जिल्हा नागपूर अस्तित्वातील डी.आय.के-9, 250 मि.मी. व्यासाची उर्ध्वनलीकेची पाईपलाईन जिमनीतुन काढून घेऊन जाणेबाबतच्या या कामाची ई-लिलाव निविदा सुचना मजीप्रा कडून मागविण्यांत येत आहे. सदर कामाची अंदाजित किंमत रू. 55,89,000/- आहे. सदर ई-लिलाव बाबतचा सविस्तर तपशील दि. 09/06/2025 पासून www.eauction.gov.in य वेबपोर्टलवर उपलब्ध करुन देण्यांत आलेला आहे.

ई-लिलाव प्रक्रिया कार्यक्रमाचा सर्व तारखा www.eacution.gov.in या वेबपोर्टलवर अपलोड करण्यांत आलेल्या आहेत.

> कार्यकारी अभियंता मजीप्रा विभाग, नागपूर

SWARNATYA MUSIC ACADEM

Mob - 9975757706, 9561674780

Adress : Plot no 212, Bengali Society Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpu

इंग्लिश स्पीकिंग

, नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी <mark>ुऱाँ, (प्रा.) अभिषेक</mark> विमणका

Morning / Evenin

अंग्रेज़ी बोलना सीखे

क्र. समावज /नाग/ 147/ 2025

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

नासक कुभ मेले की तैयारियों को हरी झंडी

प्रभारी मंत्री के चयन पर सस्पेंस बरकरार नासिक.

नासिक में 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं. हालांकि कुंभ मेले की मेजबानी करने वाले नासिक जिले का प्रभारी मंत्री कौन होगा इसको लेकर संशय बरकरार है. राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस

प्रभारी मंत्री कौन होगा. सीएम ने संकेत दिया है कि इस पद के लिए महायुति के तीन सहयोगियों के बीच मतभेद अब भी अनसुलझे हैं. संभावित जिला प्रभारी मंत्री के चयन के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा, 'प्रभारी मंत्री आते-जाते रहते हैं. चिंता मत कीजिए और इस मुद्दे में राजनीति नहीं करिए. यह (कुंभ मेला) एक धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है. सीएम ने कहा कि इस मुद्दे पर किसी तरह की कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए. दरअसल इस साल की शुरुआत में नासिक और रायगढ़ जिलों के प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति पर रोक लगा दी गई थी, क्योंकि इस मुद्दे पर सत्तारूढ़

ndkishor Pralhadrao Matre, Ďied Or 8/09/2022, R/o C/o Dilip Shende, Nea lanuman Mandir 190, Trust Layout andharbodi, University Campus, Nagpu Whereas Late Nandkisho ralhadrao Matre, Died On 28/09/2022 To C/o Dilip Shende, Near Hanumar landir 190, Trust Layout, Pandharbodi Jniversity Campus, Nagpur. Died On Nagpur, and Whereas Hemlata Nandkisho Matre & Others has presented an application to this Court for grant of Lega Heir Certificate Under Clause 2 o Bombay Regulation VIII of 1827.

ay dispute the right of the said Applicant emlata Nandkishor Matre & Others a Hemlata Nandkishor Matre & Others as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of 21st Jt. Civil Judge Sr. Dn. Nagpur on 26th Day of June, 2025 at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive Court will forthwith proceed to receiv proof of the said Applicants right and to prant them, provided they shall appea intitled thereto a Certificate on Legal Heir o the said deceased. Given under my hand and the seal of By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Court of Civil Judge Sr. Dn. N

IN THE COURT OF 21st JOINT CIVIL JUDGE M.J.C. Case No. 253/2025 Fixed For 26/06/2025

Non-Applicants: Nil Name of Deceased: 1) Late

This is to give notice to all persons who

Mobile No.: 8767516249 | 7420869774 श्री सतगुरू ट्रैवल्स 19 मे शिमला मनाली चारधाम यात्र 10 ऑगस्ट गुजरात चारधाम यात्र 7498753939, 93095 96390 8698495200, 9823454945 **ZOREN**

Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE

PATH LAB

MRRS MD (P.

PROPERTY DEALERS हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स,

घर, बंगलो, फार्म हाऊँस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है अफसर खान M. 9371381114, 7038696893 सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता



PUBLIC SCHOOL **NURSERY to Std. IX OUR FACILITY** Karate Class • Swimming Pool Skating Class • Basket Ball

Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur नमोश्री

ऑनलाईन जॉब सेन्टर विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका

7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड

उमेश्वर शामकुंवर M.9326760744 तहसील व कार्ट के सामने, कामर्ट







Cell: +91 9665055266 | +91 8999396631 नसीब प्रिंटींग प्रेस

डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड

शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प

बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब

रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग

के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

मो. 9372855880



हम भीड़ में दौड़ना नहीं

जितना सिखाते है।

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

एस. सुधीर

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088



CMYK • • • •

जताई थी कि वो बड़े पापा बन गये

हैं. तेज प्रताप का रिएक्शन आ जाने

के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे

हैं. लालू यादव के राजनीतिक विरोधी

तेज प्रताप को निकम्मा और नकारा

कहने के साथ ही अलग अलग आरोप

आरजेडी की तरफ से कोई बचाव

में नहीं आया है. क्या तेज प्रताप

की पोस्ट में माफी का कोई भाव

भी है? जैसे वो घर परिवार को

छोड कर कहीं नहीं जाने वाले हैं,

क्योंकि उनकी जिंदगी में दसरा कोई

उतना मायने नहीं रखता. क्या तेज

प्रताप परिवार के किसी सदस्य की

तरफ इशारा कर रहे हैं? जयचंद नाम

लेकर वो किसकी तरफ इशारा कर

रहे हैं? क्या तेज प्रताप सीधे सीधे

कुछ न बोलकर तेजस्वी यादव को

भी जयचंद के बहाने टार्गेट कर रहे

हैं? तेज प्रताप पहले से ही खुद को

कृष्ण और तेजस्वी यादव को अर्जुन

बताते रहे हैं, लेकिन ये कह कर कि

'कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो,

लेकिन, लालू परिवार या

लेकिन खुद कृष्ण को नहीं'. आखिर

तेज प्रताप क्या कहना चाह रहे हैं,

क्या आगे का अपना रास्ता वो ख़ुद

तय करने का इशारा कर रहे हैं? लालू

यादव की अब तक की राजनीति

में ऐसे लोगों की लंबी फेहरिस्त है,

जिनको आरजेडी नेता ने माफ किया

है, हालांकि, माफ किये जाने की

अलग अलग वजहें हो सकती हैं. और

राजनीतिक वजह पारिवारिक रिश्तों से

अलग होती है, ये ठीक है कि लाल

यादव ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव

को माफ नहीं किया. ऐसी सूची में

साधु यादव और कुछ रिश्तेदारों के

भी नाम हो सकते हैं. नेताओं की तो

अलग है लिस्ट है. और, सबसे ऊपर

तो नीतीश कमार का ही नाम आएगा.

ऐसे नेताओं में शिवानंद तिवारी से

लेकर जगदानंद सिंह जैसे नाम भी

शामिल हैं. नीतीश कुमार को लेकर

लालू यादव जहर पीने से लेकर उनके

पेट में दांत तक होने जैसी बातें कर

चुके हैं - और एक दौर ऐसा भी रहा

है, जब पूरा लालू परिवार उनका नाम

डॉ. विवेक गुप्ता

पलटू कुमार रख दिया था.

स्विचार

जीवन ना तो भविष्य में है, ना ही अतीत में है जीवन तो केवल वर्तमान में है

संपादकीय

🗗 भारत और पाकिस्तान के बीच उस सीमा पर पहंचने से पहले कई का हालिया टकराव किसी भी वक्त सारे पडाव आते हैं। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यज' की नीति अपना ऐसे मोड़ पर नहीं पहुंचा, जब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नौबत रखी है यानी देश परमाणु हथियारों आई हो - चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मल्क के खिलाफ भी भारत ऐटमी जनरल अनिल चौहान का यह बयान वेपन नहीं निकालेगा. जिसके पास आशंकाओं को दर करने के साथ ही एटमी ताकत के रूप में नई दिल्ली की परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह परिपक्वता और जिम्मेदारी के भाव ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, को भी दिखाता है।सीडीएस ने कहा आक्रामकता दिखाने और आक्रमण कि दोनों देशों की सेनाओं ने तार्किक के लिए नहीं। सीडीएस ने इंटरव्यू रुख अपनाया यानी उन्होंने पाकिस्तान में कहा कि सेना के लोग सबसे को भी उसके हिस्से का श्रेय दिया, ज्यादा तर्कसंगत होते हैं, क्योंकि उन्हें परिणाम का पता है। जो उनका बड़प्पन है। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी तनाव इसका प्रत्यक्ष अनुभव ऑपरेशन बढ़ता है, तो पश्चिम की तरफ से सिंदर के दौरान हुआ था। पहलगाम सबसे पहली चिंता यही जताई जाती आतंकी हमले को लेकर पूरा देश

गुस्से से उबल रहा था, लेकिन तब है कि अगर टकराव हुआ तो वह भी भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई परमाणु युद्ध तक पहुंच सकता है। में संयम बरता और केवल पाकिस्तान कारगिल से लेकर बालाकोट तक, अतीत में कई बार ऐसा हो में मौजूद आतंकी ठिकानों को ही चुका है। यहां तक कि कारगिल को निशाना बनाया। पाकिस्तान की लेकर कहानियां तक फैल चुकी हैं कि तरफ से उकसावे वाली कार्रवाइयों परमाणु युद्ध आसन्न था, पर अमेरिकी के बावजूद भारत के हम सटीक दखल से टल गया। इस बार भी और नियंत्रित रहे। परमाणु हमले की अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप एटमी विभीषिका द्निया देख चुकी है। एक वॉर रुकवाने के लिए खुद से अपनी ही झटके में लाखों जिंदगियां तबाह पीठ थपथपा रहे हैं। विडंबना है कि हो गई थीं और आने वाली कई नस्लें परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का दशकों तक वह दंश झेलती रहीं। इकलौता कलंक अमेरिका के ही माथे हिरोशिमा और नागासाकी के साथ है। पश्चिम का यह अंदेशा दरअसल जो हुआ था, वह मानव समुदाय के भारत की क्षमताओं को कम करके लिए सबक है कि कोई भी युद्ध उस आंकना है। परमाणु हथियार किसी बिंद् तक नहीं पहुंचना चाहिए, जहां भी युद्ध का अंतिम विकल्प हैं और ऐसी नौबत आए।

बद्रीनाथ धाम में कौन सा फूल चढ़ाया जाता है



🗗 बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु बद्रीनाथ के रूप में पूजे जाते हैं. यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है जहां भगवान विष्णु की पूजा की जाती है. यहां शालिग्राम पत्थर की स्वयंभू मूर्ति है, जो भगवान बद्रीनाथ जी की है. बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के तट पर नर और नारायण नामक दो पर्वतों के बीच स्थित है. बद्रीनाथ धाम में मुख्य रूप से भगवान विष्णु को तुलसी दल (तुलसी के पत्ते) और ब्रह्म कमल के फुल चढाए जाते हैं. बद्रीनाथ धाम में भगवान बद्री विशाल की पूजा में तुलसी दल का अत्यधिक महत्व है. मान्यता है कि भगवान बद्रीनाथ फूलों से नहीं, बल्कि तुलसी से प्रसन्न होते हैं. बिना तुलसी के भगवान बद्रीनाथ की पूजा अधुरी मानी जाती है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने धर्मध्वज की पुत्री बिंद्रा को वचन दिया था कि वह कलियुग में उसे तुलसी के रूप में स्वीकार करेंगे. बद्रीनाथ क्षेत्र में एक विशेष प्रकार की तुलसी पाई जाती है, जिसे बद्री तुलसी कहा जाता है, जो माता लक्ष्मी का ही एक रूप मानी जाती है. इसी बद्री तुलसी का प्रयोग भगवान बद्रीनाथ की पूजा में किया जाता है. ब्रह्मकमल एक दूर्लभ और नाजुक फूल है जो हिमालय के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उगता है. इसे हिंदू धर्म में एक पवित्र फूल माना जाता है और अक्सर इसे भगवान विष्णु और उनके विभिन्न अवतारों से जोड़ा जाता है. बद्रीनाथ मंदिर सहित केदारनाथ में भी ब्रह्मकमल को प्रतिमाओं पर चढ़ाया जाता है. यह भगवान विष्णु की दिव्य कृपा का प्रतीक माना जाता है. इसलिए बद्रीनाथ धाम के साथ केदारनाथ धाम में ब्रह्मकमल चढ़ाना बहुत ही शुभ माना जाता है.

समीक्षा

डॉ.मनोज मोक्षेंद्र

चलो, रेत निचोडी

🗗 इस महापरिवर्तन के आपत्तिजनक दौर में हिंदी कविता के विवादों और आक्षेपों से घिरे होने के बावज़ूद, उसे अनेकानेक रूपों में अभिव्यंजित और रूपायित करने वाले अधिसंख्य रचनाकारों से हम रू-ब-रू रहे हैं। पर, अपने सनातनी लक्षणों के विपरीत अब वह कहीं भी फूहड़ या अल्हड़ नज़र नहीं आ रही है। निःसंदेह, काव्य सृजन में आई इस बाढ़ में वह हर कदम पर निखरती जा रही है। यह दौर अज़ीबो-ग़रीब ज़रूर है, जिसमें कविता की चाल-ढाल बेशक समय के अनुरूप बदली हुई है तथा उसकी ज़बान से फूटने वाले शब्द निरे सपने दिखाने और कभी भी साकार न होने वाले चित्र नहीं उकेरते हैं, बल्कि समाज में जो कुछ भी नकारात्मक हो रहा है, उसके विरुद्ध उसके उठे हुए नाज़ुक हाथों में एक खंझर दिखाई दे रहा है जिससे वह इंसानियत के ख़िलाफ़ सिर उठा रहे बुरे तत्वों का शिरोच्छेदन चुन-चुन कर करना चाह रही है। सतत रचनाशील रचनाकारों में काव्य सृजन के प्रति गंभीर चेतना का संचार स्पष्ट रूप से नज़र आ रहा है।

अब वे कविता के लिए, गिने-चुने अपवादों को छोड़कर, अपरिहार्य छांदिक अनुशासनों का भी पालन करने लगे हैं। कविता को शिल्पगत परंपरा से जोड़ते हुए हिंदी में लिखी जा रही ग़ज़लों और नवगीतों में ऐसा साफ परिलक्षित हो रहा है। जो कवि छांदिक कविताएं लिख रहा है, वह रबर-छंद और ग़ैर-मात्रिक काव्य शैली का प्रयोग करने से भी कोई परहेज़ नहीं कर रहा है। उसकी जो कविताएँ छांदिक परंपरा का निर्वाह नहीं करती हैं, उनमें भी एक प्रकार का रिदम और सांगीतिक झंकार है। उन्होंने प्रायोगिक तौर पर मात्रिकता को दरकिनार करते हुए भी नवगीतों में लय और रिदम को बनाए रखा है। यही बात हिंदी ग़ज़लों में भी साधारणतया देखने को मिल रही है। आरंभ में हिंदी ग़ज़ल को भी सरस और प्रवाहपूर्ण हिंदी कविता के मात्रिक अनुशासनों के अनुरूप ढाला जाता रहा है। ख़ुद हिंदी के ग़ज़लकारों ने भी शुरुआती दौर में बड़ी सूक्ष्मता और तन्मयता से छांदिक परंपरा का पालन किया। परंतु, अब उसमें भी मात्रिक अनुशासन के बजाय प्रवाह पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाने लगा है। जब रचनाकार से पूछा जाता है कि उसने अपनी फलां गेय कविता में छांदिक नियमों को तोड़ा है तो वह साफ-साफ कह देता है कि 'श्रीमन, आप यह क्यों नहीं देखते कि उस कविता में कितनी खानगी-सादगी और काव्य-सुलभ सरसता है?'

तेज प्रताप यादव को माफी क्यों नहीं दे सकते लालू यादव

जनता दल से अब आधिकारिक तौर पर निकाल दिया गया है. आरजेडी की तरफ से एक लाइन का आदेश जारी हुआ है.ध्यान देने वाली बात ये है कि ये तेज प्रताप के निष्कासन का ये पत्र सोशल साइट एक्स पर लालू यादव की पोस्ट के हफ्ता भर बाद सामने आया है - क्योंकि बिहार की राजनीति में सवाल उठाया जाने लगा था कि क्या तेज प्रताप यादव के खिलाफ एक्शन सिर्फ सोशल मीडिया पर हआ है - और, क्या सोशल मीडिया पर जारी बयान भी आरजेडी के संविधान के हिसाब से मान्य हो नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के नेता तो शुरू से ही तेज प्रताप के खिलाफ एक्शन को दिखावा करार दे रहे हैं, बीजेपी कोटे से बिहार सरकार में मंत्री नीरज सिंह बबलू ने भी तेज प्रताप के निष्कासन पर स्टेटस अपडेट पूछ लिया था. तेज प्रताप यादव ने अपने 12 साल पुराने रिलेशनशिप की जानकारी 'लिखता हूं, मिटाता हूं' वाले अंदाज में तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की

थी, और जब लोग रिएक्ट करने लगे,

🗗 सुबह-सुबह गरमा - गरम

जलेबी और पोहा खाने के बाद जैसे

पेट गुर्राया तो मास्टर जी सकते में आ

गए, लगा महापाप हो गया। बीस साल

से नियमपूर्वक चल रहा एकादशी का

व्रत अनजाने में टूट गया। स्कूल पहुंचे

तो हताशा और निराशा में मन पढ़ाने

में नहीं लगा, अंदर उपवास टूटने का

अपराध बोध पसर गया। दो बच्चों

को गुड़ी तनवा दी, तीन को घुटने के

बल खड़ा किया और दो बच्चों के

उपवास में मुफ्त की जलेबी ने कबाड़ा

कर दिया। हेड मास्टर को आते देख

अनमने मन से पढ़ाने लगे, छड़ी उठाई

मेज पर पटकी, श्याम पट को डस्टर

से पीटा और कहने लगे - नियमपूर्वक

उपवास करने की आदत डाली जाए

तो खाये हुए भोजन का विकार दुर

हो जाता है। स्वास्थ्य को बहत

बीस साल का एकादशी के

पिछवाड़े में छड़ी चला दी।

त्यग्य



तो बोल दिया कि अकाउंट हैक हो गया था. जो भी अच्छी बात ये रही कि उनका अकाउंट जल्दी ही रिस्टोर भी हो गया. ये सब 24 मई को हआ था, और अगले ही दिन लालू यादव ने तेज प्रताप के खिलाफ एक्शन की सोशल मीडिया पर ही घोषणा कर दी - हफ्ते भर बाद तेज प्रताप यादव का भी रिएक्शन आया है. हो सकता है, तेज प्रताप यादव पहले पक्का करना चाहते हों कि अकाउंट पर पूरा कंट्रोल उनका ही हो चुका हो. क्योंकि, फिर से हैक होता तो ज्यादा दिक्कत हो सकती थी. या था. 1 जून को सुबह

5.27 पर तेज प्रताप सोशल साइट

चाहिए, एकादशी करने से मोक्ष की

प्राप्ति होती है कभी विष्णु जी प्रसन्न

हो जाते हैं तो मुफ्त में जलेबी पोहा

खिलाकर परीक्षा ले लेते हैं परीक्षा

में जो फेल हो जाता है उसका मन

विचलित हो जाता है। घर की औरतों

को विष्णु जी माफ करते रहते हैं।

घर की औरतें एकादशी व्रत में

रोटी नहीं खाती, द्ध मलाई, खीर,

कलाकंद, पकौड़े आदि से पेट भरतीं

हैं तब विष्णु जी को बुरा नहीं लगता।

इसलिए उपवास बिना आहार के ही

होना चाहिए और तभी उपवास का

सही अर्थ होता है। अभी भी उपवास

का मतलब किसी को समझ नहीं

मास्टर जी ये आस्था का मामला

आया हो तो हाथ उठाओ.

एक्स पर लिखते हैं, 'मेरे प्यारे मम्मी पापा मेरी सारी दनिया बस आप दोनों में ही समाई हैं.

भगवान से बढ़कर है, आप और आपका दिया कोई भी आदेश आप हैं तो सब कुछ है मेरे पास मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और पापा आप नहीं होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग बस मम्मी-पापा आप दोनों स्वस्थ और ख़ुश रहें हमेशा तेज प्रताप ने न तो माता पिता के अलावा अपने किसी भी भाई-बहन का कोई जिक्र नहीं किया. करीब आठ घंटे बाद

ने राजघाट पर कुछ घंटों के उपवास

का आयोजन किया, कुछ लोग पेट

भर छोले भट्टरे खाकर राजघाट पहुंच

गए, गांधी जी कुछ बोलते नहीं

क्योंकि गांधी जी के उपवास का

उपहास उड़ाने में नेता लोग सबसे

आगे हैं। मीडिया उपवास का अब

मजाक उड़ाता है लोग विश्वास नहीं

करते कि गांधी जी आमरण अनशन

देश बनने का भले नाटक करें पर

हम बेहतर नहीं है। संसद चलाने

की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है और

हम सबसे बड़े लोकतांत्रिक

वाला उपवास करते थे।

और पोस्ट लिखी है, जो छोटे भाई तेजस्वी यादव पर फोकस है - दोनों पोस्ट में एक बात कॉमन है, जयचंद का जिक्र. तेजस्वी यादव को लेकर तेज प्रताप ने लिखा है, 'मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नहीं हो सकोगे कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो, लेकिन खुद कृष्ण को नहीं. हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा बस मेरे भाई भरोसा रखना, मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा मेरे भाई, मम्मी-पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी.' अब ये जयचंद का किरदार कौन निभा रहा है? ये अभी नहीं मालूम. तेज प्रताप ने अपनी पोस्ट में बेनकाब करने की भी बात लिखी है, जिसके लिए अभी इंतजार करना होगा.इससे पहले तेज प्रताप ने दो राजनीतिक पोस्ट लिखी है, लेकिन उसके पहले तेजस्वी यादव के दूसरी बार पिता बनने पर ये कह कर खुशी

जय प्रकाश पाण्डेय

दिया कि उपवास के घंटों में सभी सांसद, मंत्री छोले भटूरे से दुरी बनाए

कमल - सर जी, गांधी जी

रखें। जबरदस्ती सामूहिक उपवास कराने में बड़े खतरे हैं, उपवास का नाम बदनाम होता है। जीभ दगाबाजी करती है छुप-छुपाके हाथ साफ कर ही देती है।

ने दक्षिण अफ्रीका से उपवास की प्रेक्टिस कर ली थी, वे अन्याय का विरोध करने अकेले उपवास रखते थे उन्होंने उपवास को हथियार बना लिया था, पर वो एकादशी का उपवास नहीं रखते थे। गांधी जी नकली दांत लगाते थे इसलिए उनको उपवास रखने में सुविधा होती थी वे अकेले उपवास में बैठते थे आजकल के नेता अकेले उपवास करने में डरते हैं। गांधी जी दिखाने के लिए उपवास नहीं करते

सत्ता पक्ष संसद न चला पाने के दख में उपवास और अनशन करने लगे, थे पर आजकल के नेता दिखाने और कुछ समझ नहीं आता। उपवास के फोटो खिंचवाने के लिए उपवास का

सूरज रोज़ की तरह अपनी रोशनी दर्दशा अपनी आँखों से देखता, पर से संसार को रोशन कर रहा है. दिन आंसू न बहा सकता था. शाम होते चढ़ते-चढ़ते सूरज की लालिमा की ही इस खंभे पर बल्ब जल जाता और ठंडक, अब चुभन में बदलने लगी है. सूरज की पहली किरण के साथ ही, बस्ती के लोग रोज़ की तरह अपने फिर बस्ती के लोगों की ज़िन्दगी में दैनिक कामों में व्यस्त हो चले हैं. उजाला करने के लिए शाम की प्रतीक्षा झुग्गियों की चिमनियों से धुआं निकल करता. सरकारों ने इस बस्ती की ओर कर सूखे आसमान में बादल बना रहा कभी ध्यान नहीं दिया. यह एक दलित है. ऐसा लगता है मानो यह धुआं बस्ती है जिसकी दुनिया, बाकी शहर सूरज को चुनौती दे रहा हो कि मैं से अलग थी. यहाँ आज़ादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं का तुम्हे ढक कर तुम्हारे ताप से बस्ती को मुक्ति दिलाऊंगा. धुंए के बादल टोटा है. बस्ती की याद नेताओं को क्षणिक ही सही, पर सूरज के ताप को सिर्फ चुनाव में आती है जब बस्ती की कुछ देर तो अपने भीतर समा ही लेते हवा में उड़ने वाली वोटों की ख़ुशबू, हैं. जुम्मन चाचा रोज़ की तरह फटा इन नेताओं को अपनी तरफ खींच कुर्ता-पायजामा पहन कर मजद्री पर लाती है. इन्हीं विचारों में खोई हुई चल पड़ें हैं. मजद्री कभी मिलती है, कमली की तन्द्रा अचानक टूटी, उसने कभी ऐसे ही शाम को खाली हाथ देखा कि माई चाय लेकर खड़ी है. 'ले लौटना पड़ता है. कांख में एक छोटी कमली चा पी ले, आज तेरी जिंदगी सी पोटली में चाची ने दोपहर के लिए का सबसे जरूरी दिन है. पुचकार कर रोटी-प्याज और गुड़ बांध दिया है. माँ ने, कमली के सर पर हाथ फेरा, साग-सब्जी कहाँ मय्यसर है. कभी 'जल्दी से तैयार हो जा कमली, तुझे साल-दो-साल में ब्याह-शादी में, जाना भी तो है, वो लोग आते ही सब्ज़ी-पड़ी-मिठाई नसीब होती है. होंगे. 'ठीक है माई' कमली ने कहा. यहाँ बस्ती में सबका हाल जुम्मन चाय पीती हुई कमली अतीत की चाचा जैसा है. तन ढांपने के लिए धुंध में खो गयी. सुर्जे के यहाँ चौथी चीथड़े हैं और खाने के लिए सुखी लड़की पैदा हुई तो घर में किसी को

नाम पर गटर का पानी है. सिर्फ नाम के लिए नल हैं क्योंकि उनमें पानी महीने-दो महीने में एक-आध बार आता है, वो भी वक्त-बेवक्त. बिजली के खंभे एक सरकार ने चुनावी साल में लगवा दिए थे, फिर पिछली सरकार ने चुनावी साल में बिजली के बल्ब और एक-एक पंखा, बस्ती के हर घर में पहंचा दिया. पर इन बल्बों की रोशनी और पंखे की हवा का इस्तेमाल, कभी बस्ती के लोग ढंग से नहीं कर पाए. क्योंकि चुनावी साल में बिजली ने नेताजी के साथ जो दौरा किया, फिर उसके बाद उसके दर्शन भी, नेताजी की तरह कभी नहीं हो पाए. एक पुराना बिजली का खंभा जरुर था जो किसी बूढ़े स्वतंत्रता

रोटी-प्याज और गुड़, पीने के पानी के

ज्यादा ख़ुशी नहीं हुई बेटी पैदा होने की खबर सुनकर सर्जे का दिल बैठ गया. उसे भविष्य की चिंता सताने लगी. अम्मा ने सुर्जे के कंधे पर हाथ रखकर कहा, 'सुर्जे, क़िस्मत फूटी हुई है तेरी तो, कैसी लुगाई लायों है, चौथी भी लड़की जनी है या ने. यो तो अच्छा हुआ कि पहलकी तीन को राम जी ने अपने पास बुला लिया. नहीं तो तू बेचारा कहाँ से करता इतनी लड़िकयों का'. कोई बात ना अम्मा, लड़की तो ठीक है ना? अब आ गई है तो -सुर्जे ने अनमने भाव से अम्मा से कहा.का ठीक है. इसे भी राम जी उठा ही लेता तो ठीक था स्यापा निपटता. चल अब उठ अम्मा ने गुस्से में कहा. 'इसके ब्याह के खर्चे के पर्चे मेरी आँखों के



लाभ होता है मन में शांति रहती है। है जिसकी जिसमें आस्था। समझा देना बौद्धिकता पर एक ख़ुाफ़या बहस

🗗 समाज में जब किसी मुद्दे पर बहस बहत तेज़ हो जाए तो समझ लेना चाहिए कि वह बदलाव की पेशबंदी कर रहा है. इस समय सबसे ज्यादा तीखा विवाद मैरिट पर है, और संदर्भ पिछड़ी जातियों के आरक्षण का है. ज़ाहिर है कि सतह के ऊपर द्विज बनाम शूद्र का द्वंद्व है, पर मैरिट का कम से कम एक आयाम ऐसा भी है जिस पर की जा रही बहस का मुख्य रूप अफ़वाहबाजी का है, और उसकी प्रकृति फेंटेसीनुमा है. यह पहलू है स्त्री

सरगोशियों, लंतरानियों, शाम

को होने वाली नशीली अड्डेबाजियों और गॉसिप कॉलमों के गुप्त मैदानों में होने वाला यह वाद-विवाद आजकल तय करने में लगा हुआ है कि स्त्री जो बोलती है, स्त्री जो लिखती है और समाज में अपने लिए बौद्धिक प्रगति के जो मौक़े संघर्ष करके हासिल करती है, क्या वास्तव में उसे उसका एकांत श्रेय दिया जाना चाहिए? हिंदी पब्लिक-स्फेयर के इस भूमिगत माहौल से अल्बर्टीं मोराविया की एक कहानी याद आ जाती है. मोराविया की यह नायिका रचनाकार बनना चाहती है. लेकिन, जब वह अपनी रचना लेकर एक वरिष्ठ साहित्यकार से मिलती है, तो किसी अंधेरी गली में खड़ी कार के भीतर खुफिया तौर पर बैठा वह पुराना पापी वैकल्पिक रचना लिख कर उसे थमा देता है, बदले में उसका सानिध्य मांगता है. उस स्त्री के साथ ऐसा कई बार होता है. साहित्य का मूल्यांकन करने वाले पुरुष को लगता है कि या तो स्त्री की रचना में बहुत से संशोधन होने चाहिए या उसे फिर से

लिख डालना चाहिए. और, इस सेवा के बदले उनका उस स्त्री पर स्वाभाविक हक़ बन जाता है. उस छोटी-सी कहानी का क्लाइमेक्स बड़ा वीभत्स है; आत्महत्या की कगार पर पहुंच चुकी वह स्त्री अचानक तय करती है कि वह सिर्फ़ एक देह बन जाएगी. फिर वह स्त्री लिपिस्टिक लगाती है, और शहर की सड़कों पर संभवत: वरिष्ठ साहित्यकारों की खोज में निकल पड़ती है. ज़ाहिर है कि मोराविया का ज़माना बहुत पीछे छूट चुका है. स्त्री द्वारा रचा गया साहित्य और विमर्श-विमर्श सांस्कृतिक उत्पादन की प्रक्रिया को एक नए पायदान पर पहुंचा चुका है. स्त्री की रचना को किसी पुराने पापी की बदरंग चिप्पी नहीं चाहिए. यह कामयाब स्त्री वह नहीं है जो हर सफल पुरुष के पीछे खड़ी रहती है. सफल पुरुष और पृष्ठभूमि में खड़ी स्त्री का आपसी

संबंध कुछ ज्यादा ही सुपरिभाषित

और सुनिश्चित क़िस्म का हो चुका है. चर्चा में कम आने वाली वह औरत या तो कामयाब मर्द की पत्नी है या फिर उसकी मां है. मां के रूप में या तो उसने पुरुष को ककहरा सिखाया है या फिर वह उसकी कुछ नैसर्गिक प्रवृत्तियों की जिम्मेदार है. पत्नी के रूप में वह उसकी पोशाक, कॉफी, लंच, डिनर या दोस्तों की आवभगत का कौशलपूर्ण बंदोबस्त करने के साथ-साथ यौन-सुख की नियमित सप्लाई का स्रोत है. इसके बदले में वह मंडन मिश्र अपनी एक किताब उसे भेंट कर देता है, या अन्य पुस्तकों के आभार प्रदर्शन की आख़िरी पंक्ति उसके लिए सुरक्षित कर दी जाती है. इस पंक्ति का पैटर्न भी तयशुदा है : 'और अंत में मैं भारती का शुक्रिया अदा किए बना नहीं रह सकता क्योंकि अगर वे मुझे धीरज और उत्साह न बंधातीं तो यह बौद्धिक परियोजना शायद अपने

अंजाम तक न पहंच पाती.' किसी भी मशहर किताब का आभार प्रदर्शन पढ़ लीजिए, उसके आख़िर में यह पंक्ति किसी न किसी रूप में मिल ही जाएगी. पृष्ठभूमि में खड़ी स्त्री को आभार प्रदर्शन के ज़रिए निबटा देने के बाद अब बहस इस बात पर है कि जब मंडन मिश्र ने शास्त्रार्थ में अपनी पराजय स्वीकार की ही नहीं, न ही पृष्ठभूमि में खड़ी पत्नी को मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी थमाई, तो फिर यह स्त्री कहां से आ गई जो आगे निकलकर अपनी बौध्दिकता की स्वतंत्र दावेदारी कर रही है? यह स्त्री अजीब सी है. मंडन मिश्र ने इसे इतिहास के किसी पृष्ठ पर नहीं देखा. क्योंकि यह उपन्यास लिखती है, कविताएँ लिखती है, लेख लिखती है, आलोचना लिखती है, स्तंभ लिखती है, खूब लिखती है, टाइम पर लिखती है, लिखे हुए पन्नों की

लाइन लगा देती है.

🗖 दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्पररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइस) कम दवाओं में बिना किसी एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को

साइंस) है जिससे की सास जड़

से है की बीमारी में तुरंत आराम

क्या आप अरुथमा दमा सांस रोग से परेशान हैं



आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज

B.A.M.S, PG-DEMS



B.A.M.S, MD,

केवल कभी कभी ही तकलीफ

सास (अस्थमा) के रोगियों

होने पर होती है।





डॉ. विनोद तिवारी बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

तुलसी सृग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल मिलता है एवं लम्बे समय तक जड़ की जरुरत नहीं होती चल रही कोरोना पान्डेमिक से बाजार रोड। महाजन मार्किट में भी ज्यादा सावधान रहने की स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को ऐसा चिकित्सालय है जहा के कोरोना आसानी से तकलीफ

चित्रकहरीतकी,

रुपेशल श्वासाहर

उपचार में श्वास निवारण सिरप,

वासावलेह,

कैप्सूल,

सटीक एकदम द्ष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुञ्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रूग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से

आज भी छुटकारा पा सकते है।

अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी के बाद तो उनको दवाई भी लेने को चल रही रोगी आज कल में डाल सकता है। आयुर्वेदिक सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया. संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)





जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

नागपुर, मंगलवार, 3 जून 2025

उद्योगों को उपजाऊ जमीन देने का विरोध

गढ़िचरोली जिले में सरकार रोजगार और विकास के नाम पर स्थानीय लोगों की जमीन जबरन पूंजीपतियों को दे रही है। जिंदल स्टील परियोजना के लिए वडसा तहसील के किसानों की जमीन अधिग्रहित नहीं की जानी चाहिए, अन्यथा स्थानीय भूस्वामी इस तरह की जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं करेंगे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने वडसा में उपविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें चेतावनी दी गई कि जिंदल स्टील परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहित नहीं की जानी चाहिए, अन्यथा स्थानीय भूस्वामी इस तरह की जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और अखिल भारतीय किसान सभा ने राज्य भर में स्थानीय मुद्दों को लेकर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके तहत विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व माकपा जिला सचिव कॉ. अमोल मारकवार, शेतकर कामगार > मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का आंदोलन



पार्टी जिला सचिव भाई रामदास जराते. आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष राज बनसोड और रुशी सहारे

वडसा तालुका में किसानों की उपजाऊ जमीन उद्योगों को न देकर वैकल्पिक सरकारी और वन विभाग की जमीन दी जाए, कोरची तालुका में झेंडेपार लौह परियोजना, जिसका स्थानीय ग्राम सभाएं कड़ा विरोध कर रही हैं, जिसको रद्द किया जाए, सिंचित जमीन पर खेती करने वालों को पट्टे दिए जाएं, भारी बारिश से प्रभावित किसानों को 50,000 रुपये प्रति एकड् मुआवजा दिया जाए। संजय गांधी निराधार योजना और श्रवणबल योजना के लाभार्थियों की बकाया आर्थिक सहायता तुरंत जमा की जाए, संजय गांधी निराधार योजना की विधवाओं को लाडली बहन योजना का लाभ दिया जाए, 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी किसानों, खेत मजद्रों और श्रमिकों को 5,000

रुपये मासिक पेंशन दी जाए. महाराष्ट्र

सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक 2024 को निरस्त किया जाए, रोजगार गारंटी के मजदरों का वेतन तुरंत दिया जाए, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, स्कूल रसोइया, रोजगार सेवक आदि को 26,000 रुपये मासिक वेतन तथा किसानों को 5,000 रुपये की दर से मासिक पेंशन दी जाए, किसानों की कृषि उपज का उत्पादन लागत का ढाई गुना गारंटी मूल्य देकर स्वामीनाथन आयोग को लाग किया जाए. हर बेघर व्यक्ति को

पास जगह नहीं है उन्हें आबादी में जगह दी जाए, मजबूर मजदरों को जमीन का पट्टा दिया जाए और जिनकी फसल हाथियों ने नुकसान पहंचाया है उन्हें एक एकड़ के हिसाब से 75 हजार रुपये मुआवजा दिया जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत अनुदान दिया जाए, नियमित ऋण चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाए, धान का बोनस तुरंत जमा किया जाए और किसानों की पूरी कर्जमाफी की जाए। इस मौके पर तहसील सचिव कामरेड राजू सातपुते, तहसील संयुक्त सचिव विट्ठल प्रधान, वडसा तहसील प्रमुख देवचंद मेश्राम नंदची बंदे, शेषराव वासेकर, प्रेमलाल बारसागड़े, श्यामराव बारस्कर देवराव तोरणकर, दिलीप कुकुड कर, विलास बारस्कर, हेमराज भोयर, रघुनाथ बारस्कर, देवराव उपरीकर, मोरेश्वर धुमाने खार मेश्राम, गंगाधर मोटघरे, राजू भोयर सहित सैकड़ों किसान इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हए.

घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए और जिनके

विसापुर में निर्माणाधीन एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक

> मुंबई की बैठक में विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं पर गहन चर्चा

> 110वीं वर्षगांठ की योजना

पूर्व वन एवं सांस्कृतिक मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने चंद्रपुर जिले के विसापुर में बन रहे एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

इसके लिए मुम्बई स्थित एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में कुलपति डॉ. उज्ज्वला चक्रदेव की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में विश्वविद्यालय के लिए आवश्यक धनराशि, बुनियादी सुविधाओं, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की आवश्यकताओं तथा शैक्षिक विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विधायक सुधीर मुनगंटीवार का स्वागत स्वयं द्वारा



बनाए गए कलात्मक चित्र फ्रेम से

भारत रत्न धोंडो केशव कर्वे द्वारा 1905 में महिला आश्रम के रूप में रोपे गए महिला सशक्तिकरण के पौधे 1916 में एसएनडीटी के नाम से सामने आए और आज एसएनडीटी विश्वविद्यालय के रूप में एक बड़ा वटवृक्ष उभर कर सामने आया है। चूंकि एसएनडीटी विश्वविद्यालय 5 जुलाई 2025 को 110 वर्ष पुरे कर लेगा, इसलिए इस आयोजन की योजना पर भी चर्चा

बैठक में विधायक मुनगंटीवार ने कहा कि, "महिला शिक्षा, स्वावलंबन और रोजगार सुजन के उद्देश्य से बल्लारपुर में स्थापित 'महर्षि कर्वे महिला सशक्तिकरण ज्ञान परिसर' महिलाओं को सिर्फ नौकरी चाहने वाली नहीं, बल्कि नौकरी देने वाली बनाने का काम कर रहा है।" इस ज्ञान परिसर के माध्यम से महिला सशक्तिकरण प्राप्त किया जा रहा है, और एसएनडीटी विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया को अधिक व्यापक और

पेरक टिशा टेगा।

दिवंगत सांसद बालूभाऊ धानोरकर के प्रयास सफल रहे

विदर्भ के विकास और विशेषकर चंद्रपुर जिले की प्रगति के लिए दिवंगत सांसद बालूभाऊ धानोरकर के निरंतर प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में वर्धा-बल्लारशाह चौथी रेलवे लाइन को मंजूरी दी है, जो उनकी मुख्य मांग है। इससे इस क्षेत्र में यातायात की भीड कम होगी और विकास में तेजी

दिवंगत सांसद बालूभाऊ धानोरकर ने अपने कार्यकाल के दौरान लगातार इस परियोजना की मांग की थी। इस मांग का मुख्य उद्देश्य दिल्ली-चेन्नई उच्च घनत्व कॉरिडोर पर दबाव कम करना तथा यात्रियों और लाइन वर्धा से बल्लारशाह तक

> वर्धा-बल्लारशाह चौथी रेलवे लाइन को मंजूरी



माल की आवाजाही में तेजी लाना था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 28 मई, 2025 को इस परियोजना को हरी झंडी दे दी, जो बालूभाऊ धानोरकर की दरदर्शिता और अथक परिश्रम का परिणाम है।

यह बहप्रतीक्षित चौथी रेलवे

इस परियोजना को 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया

है। इस परियोजना से कोयला, सीमेंट, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि उत्पादों और पेटोलियम उत्पादों का तेजी से परिवहन संभव होगा, जिससे विदर्भ में औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

इस परियोजना से वर्धा, चंद्रपुर और गढ़चिरौली जिलों के गांवों को लाभ होगा और रेल संपर्क बढ़ेगा। यह बालूभाऊ धानोरकर के कार्यों की एक बड़ी स्वीकृति है और इससे उनके विकास के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत कार्यान्वित की जा रही है, जो पूरे देश में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और एकीकृत योजना को बढावा देगी। इस निर्णय का दिवंगत बालभाऊ धानोरकर के मित्रों. परिवारजनों और नागरिकों द्वारा बड़े उत्साह के साथ स्वागत किया जा

ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में घुसे हाथियों पर ताडोबा प्रशासन की नजर

गढ़िचरौली जिले से दो हाथी उमा नदी

जोन में स्थित कुकड़हेती गांव में घुस आए। इसके बाद वे कंपार्टमेंट नंबर 808, 270ए और 270बी से जंगल की ओर निकल गए। इसके बाद वे कछ देर नलेश्वर झील के पास खेलते रहे। 30 तारीख की रात तक उनके पैरों के निशान कंपार्टमेंट नंबर 319 से मुख्य कोर एरिया की ओर जाते

वन विभाग ईडीसी सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों को सतर्कता के बारे में जागरूक कर रहा है। इस काम में पीआरटी और ईडीसी की टीमें लगी हुई हैं। ग्रामीणों को सावधान रहने घर से बाहर न सोने की अपील भी से संपर्क करें।

की जा रही है।

संपर्क में मौजूद अन्य वन क्षेत्रों के कर्मचारी, बचाव दल और एसटीपीएफ के जवान हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। इन टीमों को हाथियों को भगाने के लिए नाइट विजन डिवाइस (रात्रि दृष्टि), आईआर ड्रोन और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वन विभाग के कर्मचारियों को ऊंचे स्थानों पर तैनात किया गया है।

सलाह दी जा रही है। उनसे जंगल में अगर आपको कोई जानकारी है तो पंद्रह परिवारों को राहत मिलेगी। अकेले घूमने से बचने और रात में तुरंत नजदीकी वन विभाग कार्यालय

पटेल नगर के 15 अतिक्रमणकारियों को रेलवे अधिग्रहण का मिलेगा मुआवजा

> 15 परिवारों के लिए 1 करोड़ २७ लाख १० हजार का मुआवजा स्वीकृत > विधायक सुधीर मुनगंटीवार के निरंतर प्रयास को बड़ी सफलता

रेलवे अधिग्रहण के माध्यम से चंद्रपुर के पटेल नगर के 15 घरों के लिए 8 लाख 46 हजार रुपये प्रति घर की दर से कुल 1 करोड़ 26 लाख 90 लाख रुपये का मुआवजा मंजूर किया गया है। पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन राज्य मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार द्वारा राज्य सरकार के साथ लगातार किए गए संपर्क के कारण लिया गया है, जिसमें सभी नागरिकों से अपील है कि जिलाधिकारी के साथ दो बैठकें भी और जिम्मेदारी से व्यवहार करने की वि अफवाहों से दूर रहें। साथ ही, शामिल हैं। इस निर्णय से पटेलनगर के

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में ठोस निर्णय लिया गया है। इसके अनुसार, जिन अतिक्रमणकारियों ने रहने के लिए मकान बना लिए हैं, उन्हें

प्रत्येक को 8.40 लाख रुपये की पूरी

राशि दी जाएगी। सुधीर मुनगंटीवार ने इस संबंध में एक बैठक की और राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग के साथ इस पर चर्चा की। इसके लिए उपमख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर सभी 15 परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की। मुनगंटीवार की मांग पर संज्ञान लेते हुए मुआवजा देने का आदेश जारी किया गया।

इस निर्णय से चंद्रपुर जिले के शहरी क्षेत्रों में पुनर्वास प्रयासों में तेजी ्र एवं राज्य सरकार आएगी। नागरिको ने विधायक सुधी की संयुक्त नीति के तहत शहरी मुनगंटीवार का आभार व्यक्त किया।

बारिश रुकने के बाद घरकुल लाभार्थियों को रेत का वितरण > गोडोपपरो तहस्रोलदार का खुलासा

चंद्रपुर.

'घरकुल लाभार्थियों के दिनभर रुकने और खाली हाथ लौटने' के मुद्दे पर गोंडपिपरी तहसीलदार ने स्पष्ट किया है कि पिछले तीन-चार दिनों से गोंडपिपरी तालुका में हर जगह भारी बारिश हो रही है। इस कारण स्वीकत घरकल लाभार्थियों को रेत वितरित

करने में समस्या आ रही है। बारिश वितरण तरंत शरू किया जाएगा, ऐसा रुकने और सडकें साफ होने के बाद गोंडपिपरी तहसीलदार शभम बखकर स्वीकृत घरकुल लाभार्थियों को रेत का ने स्पष्ट किया है।



हरीश शर्मा दोबारा भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष नियुक्त > **बल्लारप्र विधानसभा** पार्टी संगठन

क्षेत्र को जिला अध्यक्ष पद का गौरव

चंद्रपुर. एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों पर काम करने वाली दनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के चंद्रपुर जिला (ग्रामीण) अध्यक्ष पद पर नियुक्तियों की घोषणा हाल ही में की गई। इस चयन के तहत हरीश शर्मा को पुनः जिला अध्यक्ष नियुक्त

दिलचस्प बात यह है कि एक बार फिर बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र को जिला अध्यक्ष पद का गौरव प्राप्त हुआ है। हरीश शर्मा के नेतृत्व में

दमदार प्रदर्शन किया है और उनकी कार्यकुशलता,

रहा है।

सांगठनिक कौशल और व्यापक जनसंपर्क को देखते हुए उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी दी गई है।

इस पुनर्नियुक्ति पर उन्हें बधाई देते हुए पूर्व वन एवं सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री विधायक सुधीर मनगंटीवार ने कहा कि, हरीश शर्मा के सक्षम नेतृत्व से पार्टी संगठन मजबूत होगा और पार्टी के विचार अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहंचेंगे ऐसा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया।

भूमिगत खदान पर्यटन शुरू किया जाएगा : विधायक किशोर जोरगेवार

नागपुर के सावनेर में भूमिगत कोयला खदान पर्यटकों के लिए खोल दी गई है। इसी तर्ज पर विधायक किशोर जोरगेवार ने चंद्रपुर में बंद पड़ी महाकाली कोलियरी भूमिगत खदान को पर्यटन के लिए खोलने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर पहल की है। यह बैठक नागपुर के सावनेर रेस्ट हाउस में वेकोलि प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई।

इस अवसर पर चंद्रपुर वेकोलि क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक दातार, चंद्रपुर वेकोलि प्रबंधक विनोद शेंडे, संजय रेड्डी, सावनेर उपक्षेत्रीय प्रबंधक सोहन डेहरिया, सावनेर उपक्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक पी. सुभाष, इकोपार्क के प्रबंधक रूपराव महाजन, इंजीनियर पटाका बनर्जी, राकेश निखरिया सहित भारतीय जनता पार्टी के दशरथ सिंह ठाकुर, भाजपा नेता प्रकाश देवतले, अजय जयसवाल, तुषार सोम, नामदेव शामिल थे. दाहले, पूर्व नगर सेवक सुभाष कासनगोट्टवार, प्रदीप किरमे, रवि गुरुनुले, अमोल शेंडे, राकेश पिंपलकर, संजय तिवारी, जोरगेवार खदान पर गए और जोरगेवार ने कहा, "हम चंद्रपुर जिले

> भूमिगत खदान के अधिकारियों के साथ बैठक एवं निरीक्षण



नकुल वासमावर, करण नायर, कार्तिक बोरेवार और अन्य उपस्थित थे। इस बैठक में विधायक किशोर जोरगेवार ने नागपुर के सावनेर में भूमिगत खनन पर्यटन परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बैठक में इस बात पर गहराई से विचार किया गया कि खदान तक पर्यटकों को पहंचने के दौरान क्या सुविधाएं दी गईं, सुरक्षा के क्या उपाय किए गए हैं तथा इस पहल का स्थानीय स्तर पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव पड रहा है।

बैठक के बाद विधायक

खनन पर्यटन का अनुभव लिया। उन्होंने खदान में स्थापित मार्गदर्शन सुविधाओं, पर्यटकों के लिए लगाए गए सूचना बोर्डों, प्रकाश योजना और गाइड सेवाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे महाकाली कोलियरी

से जल्द प्रस्तुत करें। उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व देते हए परियोजना के क्रियान्वयन हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक

भूमिगत खदान को पर्यटन के लिए

खोलने का प्रस्ताव तैयार कर जल्द

में पर्यटन को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। महाकाली कोलियरी जैसी परियोजनाओं से न केवल चंद्रपुर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यहां के नागरिकों के लिए रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। हम जल्द ही महाराष्ट्र और केंद्रीय पर्यटन मंत्री के समक्ष इस परियोजना का प्रस्ताव रखेंगे और इस पहल के लिए मंजूरी दिलाने का प्रयास करेंगे।"

इको पार्क का निरीक्षण : इस अवसर पर विधायक जोरगेवार ने सावनेर इको पार्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इको पार्क में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने इको पार्क के हरित क्षेत्र, साइकिल ट्रैक और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा करते हुए चंद्रपुर जिले के पर्यटन स्थलों पर भी ऐसी पहल लागू करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने इको पार्क के प्रबंधन, रखरखाव और साफ-सफाई का भी बारिकी से निरीक्षण किया।



रिलीज से पहले ही कमाई में धमाका अक्षय की हाउसफुल 5

अक्षय कुमार की आने वाली हर फिल्म, उनके लिए बडी उम्मीद है. जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर गई, तो उनकी बल्ले बल्ले हो जाएगी. युं तो इस साल उनकी दो फिल्में आ चुकी हैं. पर वैसा जादू नहीं

चला पाई,

जैसा वो



'स्काईफोर्स' की शुरुआत अच्छी रही थी. पर बाद में मामला बिगड गया. 'केसरी चैप्टर 2' अच्छी फिल्म थी, पर वैसा रिस्पॉन्स मिला ही नहीं. पर साजिद ने दो क्लाइमैक्स वाले दो वर्जन लाने का ऐलान किया है.

हाउसफुल 5 अक्षय कुमार की किस्मत बदल सकती है.फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है. जिसे अब तक सही रिस्पॉन्स मिल रहा है. क्या हाउसफुल 5 अक्षय कुमार के लिए वो फिल्म साबित हो पाएगी, जो वो चाहते

हैं. दरअसल यह फिल्म 6 जून को आ रही है, ऐसे में अब तक सही कमाई हो चुकी है. जो लगातार बढ़ भी रही है. साथ ही 6 जून की सुबह टिकट खिड़की पर भी फायदा होने की उम्मीद है. आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक

कितने करोड़ छाप लिए हैं.ट्रेक वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक 'हाउसफुल 5' की अब तक करीब 25 हजार टिकटें बिकीं चुकी हैं. जिसने अब तक 90 लाख रुपयों का कलेक्शन किया है. अब तक टोटल 7,598 शोज कंफर्म हो चुके हैं. दरअसल यह बिना ब्लॉक सीटस के हैं. ब्लॉक सीट के साथ ही फिल्म ने पहले दिन के लिए 3.88 करोड़ का कारोबार कर लिया है. वहीं अगर स्टेट वाइज देखा जाए, तो दिल्ली से 88.81 लाख का कारोबार हो चका है.दरअसल सिनेमा थिएटर के ओनर का कहना है कि फिल्म पहले दिन 25-30 करोड़ का कारोबार कर सकती है. हालांकि, जिस तरह से एडवांस बुकिंग चल रही है, यह बढ़ भी सकती है. लेकिन अगर यह फिल्म 30 करोड़ का फर्स्ट डे पर आंकड़ा पार कर लेती है, तो अक्षय कुमार की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बन

सुनील शेट्टी के प्रेगनेंसी वाले बयान पर भड़कीं गौहर खान

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपने एक्टिंग से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली गौहर खान ने हाल ही में अपना पॉडकास्ट लॉन्च किया है. इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें भी हैं, साथ ही एक्टर सुनील शेट्टी के बयान पर बात करते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया है. दरअसल, हाल ही में एक्टर से उनकी बेटी के बारे में बात की गई, जिसमें उन्होंने अथिया की डिलीवरी के बारे में बात करते हुए सी-सेक्शन को आसान बताया है.कुछ वक्त पहले ही गौहर ने अपने पति जैद दरबार के साथ अपने दूसरे बच्चे की आने की खुशी लोगों के साथ साझा की थी. इस दौरान गौहर ने अपनी पहली प्रेग्नेंसी के बारे में बात की. वहीं एक्ट्रेस ने सुनील शेट्टी के कमेंट पर भी अपना रिएक्शन शेयर किया है. एक्टर ने अपनी बेटी अथिया के बारे में बात करते हुए कहा, अथिया ने सी-सेक्शन का कंफर्ट नहीं चुना, इसके बजाय, उन्होंने नॉर्मल डिलीवरी का ऑप्शन चुना." इस पर



कि कोई ऐसा कैसे कह सकता है.गौहर ने इस बारे में बात करते सुनील शेट्टी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा, हाल ही में एक बड़े सेलिब्रिटी ने कहा था कि सी-सेक्शन एक आसान ऑप्शन है. मेरा मतलब है, क्या? मैं चिल्लाना चाहती हं और पूछना चाहती हं 'आप ऐसा कैसे कह सकते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि सी-सेक्शन को लेकर कई सारे झुठ फैले हैं, जिनमें से एक ये है कि ये आसान ऑप्शन है.



सोनाक्षी के निकनेम

का शत्रुष्न सिन्हा से

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा फिल्मी बैकग्राउंड से हैं और उनके पिता शत्रुघ्निसन्हा हिंदी

फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम रहे हैं. अभी भी शत्रुघ्निसन्हा के डायलॉग फैंस काफी

पसंद करते हैं. एक्टेस सोनाक्षी सिन्हा अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं. इस

खास मौके पर एक्ट्रेस को हर तरफ से बधाइयां मिल रही हैं. वैसे तो प्यार से

फैंस अपनी फेवरेट एक्टेस सोनाक्षी सिन्हा को सोना कहकर बलाते हैं.

लेकिन क्या सोना का असली निक नेम सोना ही है? जवाब है नहीं.

सोनाक्षी को उनके फैंस प्यार से सोना कहते हैं लेकिन उनके घर का

निकनेम कुछ और ही है.वैसे तो सोनाक्षी के फैंस कई सारे हैं जो उनकी

एक्टिंग और खूबसूरती पर फिदा हैं. लेकिन शायद ही वो फैंस भी

सोनाक्षी के घर का नाम जानते हैं. बहुत लोगों को इस बात का भ्रम हो

सकता है कि सोनाक्षी सिन्हा के घर का नाम सोना है. क्योंकि ये उनके

इंस्टाग्राम हैंडल पर भी ऐड है. लेकिन सच तो ये है कि सोनाक्षी के घर

का नाम सोना नहीं बल्कि शॉटगन जूनियर है. इसके पीछे की वजह

कोई और नहीं बल्कि खुद उनके पिता शत्रुघ्निसन्हा हैं. दरअसल शत्रुघ्न

सिन्हा को ही उनके समय में मीडिया और फैंस द्वारा शॉटगन के नाम से जाना जाता था. उन्हीं के नाम पर सोनाक्षी का नाम शॉटगन जुनियर पड

गया.सोनाक्षी के करियर की शुरुआत सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म दबंग से हुई थी. लेकिन एक्ट्रेस को अपने करियर में काफी उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा. अपने 15 साल के करियर में वे

कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं जिसने अच्छी कमाई भी की है वहीं उनकी कई फिल्में ऐसी रही हैं जो अच्छा कलेक्शन कर पाने में नाकाम

रही हैं. दबंग के बाद उन्होंने राउडी राठौर, दबंग 2, सन ऑफ सरदार, लुटेरा, बुलेट राजा और आर राजकुमार जैसी फिल्में की. इसके

अलावा उन्होंने कलंक, तेवर, दबंग 3 और मिशन मंगल जैसी फिल्मों

खास कनेक्शन

हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में आलमजेब का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल मां बन गई हैं. संजय लीला भंसाली की भतीजी और एक्ट्रेस शर्मिन ने 28 मई को एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है. इस खुशखबरी के सामने

आते ही सोशल मीडिया पर उन्हें बधाइयां दी जा रहीं हैं, आम से लेकर खास तक हर कोई उन्हें बेटे के जन्म की शुभकामनाएं दे रहे हैं.हालांकि शर्मिन सहगल ने ना तो अपनी प्रेग्नेंसी का कोई ऐलान किया था, और ना र्ह अभी तक बेटे के जन्म को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट किया है, लेकिन जर्निलस्ट विक्की लालवानी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में इस खबर की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि 28 मई को शर्मिन ने बेटे को जन्म दिया है.बताया जा रहा है, कि प्रेग्नेंसी के आखिरी फेज में शर्मिन अहमदाबाद से मुंबई शिफ्ट हो गई थीं, ताकि यहीं पर डिलीवरी हो सके. शर्मिन सहगल ने नवंबर 2023

इटली में एक प्राइवेट सेरेमनी में अमन मेहता से शादी की थी. अमन टोरेंट एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं. शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए शर्मिन ने लिखा आप जिंदगी के एक खास मोड़ से गुजरते हैं, तो कभी-कभी तस्वीरें और शब्द उस एहसास को कैद नहीं कर पाते वर्क फ्रंट की बात करें, तो शर्मिन को हाल ही में नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में देखा गया था, जिसे संजय लीला भंसाली ने डायरेक्ट किया था.

आइकॉनिक पार्टी में माधुरी के सॉन्ग पर मचा डांस तूफान

का माहौल हो और डांस न हो, तो सब अधूरा लगता है. खासकर तब जब शादी के पहले दुल्हा और उसके यार बैचलर पार्टी में धमाल मनाएं, तो मजा ही कुछ और होता है. ऐसा ही कुछ इन दिनों सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है, जिसमें दूल्हे के दोस्तों ने माधुरी दीक्षित के आइकॉनिक गाने 'धक धक करने लगा' पर जबरदस्त डांस परफॉर्मेंस दी है. उनका यह वीडियो इंटरनेट पर गर्दा उड़ा रहा है, उनके मूव्स देखकर तो खुद माधुरी दीक्षित भी एक बार को हैरान रह जाएंगी.वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, 'ये तो ग्रुप डांस की

परिभाषा बदल देंगे.' दुसरे ने मजािकया अंदाज में लिखा- 'भाई, लड़िकयां भी इतना अच्छा नहीं कर पाती.' एक ने कहाँ कि, 'ऐसे दोस्त किस्मत वालों को मिलते हैं.' इस परफॉर्मेंस ने यह साबित कर दिया कि डांस और मस्ती में लड़कों का भी कोई जवाब नहीं है.



गोविंदा की पत्नी का परिवार पर तीखा बयान

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर गोविंदा अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले कुछ महीनों से खबर आ रही थी कि वो अपनी पत्नी सुनीता को तलाक देने जा रहे हैं लेकिन सुनीता ने कहा कि उन्हें कोई भी अलग नहीं कर सकता अब सुनीता आहूजा का एक और बयान सामने आया है, जिसमें वो कॉन्ट्रोवर्शियल बयान देती नजर आ रही हैं।

इस वीडियो में गोविंदा के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के बारे में बात कर रही हैं और कह रही हैं कि- 'ये सब फालतू की बाते हैं, ये कोई उम्र नहीं है अफेयर करने की, गोविंदा 62 साल के हैं। इसका नाना बनने का उम्र है। टीना की शादी करनी है, यश का देखना है। ये सब उम्र नहीं होता ये सब करने का उन्होंने आगे कहा- 'जवानी में हर चीज सूट करता है।एक उम्र होता है.जब हमें अपने बच्चों का, बच्चों के करियर के बारे में ज्यादा सोचना चाहिए। अफवाह उड़ी है.मैंने भी सुनी ये बात। जब तक मुझे कोई सबूत नहीं मिलता, तब तक मैं नहीं मानूंगी.आगे सुनीता आहूजा ने बताया कि गोविंदा को लेकर ये अफवाह किसने उड़ाई। उन्होंने कहा- 'इसके आसपास इतने हरामी लोग हैं। आप दुश्मन ना बाहर ढूंढ़ते हो, हमारे परिवार में ना घर में ही दुश्मन है। घर परिवार के लोग इतने कमीने होते है ना खुद के तो बीवी-बच्चे मर जाते हैं या खुद के बीवी-बच्चे लाइफ में कुछ नहीं करते। फिर वो लोग यही सोचने लग जाते हैं कि मेरे भाई का जिंदगी क्यों इतना अच्छा है। ये अपनी बीवी का इतना क्यों सुनता है? ये अपने बच्चों को क्यों इतना प्यार करता है? लेकिन ऐसे लोग ये नहीं सोचते कि ऊपर भगवान भी है। ये कर्मा है. इनको जब पलटकर आएगा ना तुम्हारा ये हाल होगा कि जब तुम मरोगे ना तुम्हारे मुंह में पानी डालने वाला कोई नहीं होगा।आगे सुनीता ने कहा- 'तुम अगर एक अच्छे इंसान का घर बर्बाद करते हो तो ये गलत बात है। अगर ऐसी अफवाह उड़ी है तो परिवार के लोगों को ये समझना चाहिए कि ये गलत है।

बॉबी देओल के गाने पर मल्लिका शेरावत का धमाका



बॉलीवुड की ऐसी कई एक्ट्रेस हैं, जो फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहती हैं. फिटनेस देखकर उम्र का अंदाजा लगाना ही बेहद मृश्किल हैं. हालांकि, इसी के चलते वो लगातार फिल्मों में भी नजर आ रही हैं. हाल ही में मल्लिका शेरावत का

नया वीडियो चर्चा में बना हुआ है. जिसमें वो बॉबी देओल के गाने में फिट बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं.मिल्लका शेरावत की फिटनेस का कोई जवाब नहीं है. हाल ही में उन्होंने अपनी बिकिनी बॉडी फ्लॉन्ट की, तो लोग हैरान रह गए. व्हाइट शॉर्ट्स और ब्लैक बिकिनी आउटफिट में उन्होंने नई रील शेयर की है. जिस पर उन्हें भर-भरकर प्यार मिल रहा है.दरअसल 48 साल की ये एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा कि- उनकी बॉडी आज भी

टोन्ड, स्टॉन्ग और फिट है. खास बात यह है कि इस वीडियो को 1 दिन में 28.7 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं. यानी उनकी पिछली 8-9 वीडियो को भी इतनी बार नहीं देखा गया है. हालांकि, इस फिटनेस के लिए एक्ट्रेस जिम में घंटों पसीना बहाती है. वर्कआउट के साथ ही खाने-पीने का काफी ध्यान रखती हैं. लोग वीडियो पर कमेंट कर लिख रहे हैं कि- शब्द ही कम पड़ गए हैं.जिस गाने में मल्लिका शेरावत ने वीडियो बनाया है, वो बॉबी देओल का गाना है. साल 2023 में उनकी फिल्म एनिमल आई थी. जिसमें एक्टर ने अबरार यानी खूंखार विलेन का रोल किया था. इसी फिल्म में सिर पर गिलास िलए थिरकते नजर आए थे. हालांकि, लोगों का कहना है कि- बॉबी भाई आपके गाने में तो मैडम ने बाजी मार ली

सैयारा के टीज़र की तारीफ पर भावुक हुए मोहित सूरी निर्मित और मोहित सूरी

द्वारा निर्देशित 'सैयारा' का टीज़र कल जारी होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुका है। फिल्म की झलक, टाइटल ट्रैक की भावुक प्रस्तुति और नवोदित जोड़ी की केमिस्ट्री को लेकर हर ओर से प्रशंसा हो रही है।सैयारा में अहान पांडे को एक पारंपरिक हीरो के रूप में और अनीत पड्डा को नई वाईआरएफ हीरोइन के तौर पर लॉन्च किया जा रहा है। दोनों की सहज परफॉर्मेंस और शानदार केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया

है।मोहित सूरी, जिनकी पहचान रोमांटिक फिल्मों से है, कहते हैं: आप कई तरह की कहानियाँ कह सकते हैं और लोगों को भावनात्मक यात्राओं पर ले जा सकते हैं, लेकिन रोमांस एक खास जॉनर है। 'सैयारा' मेरी उन प्रेम कहानियों को समर्पित है जिन्हें मैं खुद बेहद पसंद करता हूँ, जिनसे मेरा जीवन कभी न कभी टकराया है। मैंने कई लोगों की असाधारण प्रेम

मेरे लिए प्रेरणा बनीं वि आगे कहते हैं.सैयारा' के टीज़र को मिली एकमत प्रतिक्रिया देखकर दिल खुश हो गया। मैं अहान और अनीत के लिए उत्साहित हूँ क्योंकि उन्होंने अपने अभिनय से लोगों से तुरंत जुड़ाव बना लिया। यह पल मैं अपनी टीम और वाईआरएफ के साथ साझा करना चाहता हूँ। आशा है कि जैसे-जैसे हम फिल्म की मार्केटिंग में इसकी अलग-अलग परतें खोलते जाएंगे, लोग उससे उतना ही जुड़ते जाएंगे

अक्षय विधानी, जो इस

फिल्म्स की पहचान रहा है। 'सैयारा' के माध्यम से हम प्रेम के उस पक्ष को एक्सप्लोर कर रहे हैं जो गहराई से भावक, पर साथ ही उत्साहवर्धक भी है। दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरना हमारे लिए बेहद ज़रूरी था, खासकर तब जब हम रोमांटिक शैली में वापसी कर रहे हैं।



वाईआरएफ के सीईओ फिल्म के निर्माता भी हैं, वे कहते हैं.रोमांस यशराज



हेनरी क्लासेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

लीग क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे

केप टाउन. साउथ अफ्रीका से एक बडी खबर सामने आ रही है. साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के दिगाज विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरी क्लासेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली है. उन्होंने साउथ अफ्रीका की ओर से 4 टेस्ट, 60 वनडे और 58 टी20I मैच खेले हैं. इस दौरान उन्होंने टीम के लिए कई मैच जिताऊ पारी खेली है, लेकिन अब वो कभी अपनी देश की जर्सी में नहीं दिखेंगे. हालांकि वो लीग मैचों में खेलते हुए नजर आएंगे. आईपीएल में हेनरी क्लासेन सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हैं. रिटायरमेंट के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट भी लिखा है.

हेनरी क्लासेन ने अपनी रिटायरमेंट की जानकारी इंस्टाग्राम पर दी. उन्होंने इसमें लिखा, "ये मेरे लिए दखद दिन है, क्योंकि मैंने अब इंटरनेशनल क्रिकेट से दुर रहने का फैसला किया है. मुझे ये तय करने में बहुत समय लगा कि मेरे और खेलना काफी सम्मान की बात होती



मेरे परिवार के लिए फ्यूचर में सबसे अच्छा क्या रहेगा. सच में ये काफी कठिन फैसला था, लेकिन मैं अपने करियर से पूरी तरह से संतुष्ट हुं". उन्होंने आगे लिखा कि देश के लिए

है. मैंने बचपन से साउथ अफ्रीका से खेलने का सपना देखा था जो पूरा

इन लोगों को बोला थैंक्स साउथ अफ्रीका विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे

लिखा, 'मैंने बेहतरीन दोस्ती और रिश्ते बनाए हैं जिन्हें मैं पूरी लाइफ संजों कर रखुंगा. देश के लिए खेलने के दौरान मुझे महान लोगों से मिलने का मौका मिला, जिन्होंने मेरी जिंदगी बदल दी और उन लोगों को मैं

उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका से खेलने के दौरान कुछ ऐसे कोच मुझे मिले जिनका मुझ पर काफी विश्वास था, मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा. अपने सीने पर प्रोटियाज बैज के साथ खेलना मेरे करियर का सबसे बड़ा सम्मान था और रहेगा. मैं अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए उत्साहित हूं, क्योंकि यह फैसला मुझे ऐसा करने का मौका देगा. मेरा समर्थन करने के लिए सभी का बह्त-बह्त धन्यवाद.

जितना भी धन्यवाद कहं कम है'.

टी20I वर्ल्ड कप के फाइनल में खेली थी शानदार पारी

33 साल के इस बल्लेबाज ने पिछले साल टी20I वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार बल्लेबाजी की थी. टीम इंडिया के खिलाफ उन्होंने इस मैच में 27 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए थे. जब तक वो क्रीज पर थे, तब तक साउथ अफ्रीका की जीत की उम्मीद थी, लेकिन जैसे ही वो आउट हए उसके बाद पूरी टीम बिखर गई और टीम इंडिया ने 6 रनों से इस मैच को जीतकर खिताब अपने नाम

श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 के क्वालिफायर 2 मुकाबले में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शानदार टक्कर देखने को मिली. लेकिन इस मैच के बाद दोनों टीमों के कप्तानों पर कार्रवाई की गई है. पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को आईपीएल के आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जिसके चलते उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है. इस मैच में पंजाब ने मुंबई को 5 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई.

अय्यर-पंड्या के बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर यह कार्रवाई स्लो ओवर रेट के कारण की गई. आईपीएल के नियमों के अनुसार, टीमों को तय समय में अपने ओवर पूरे करने होते हैं, और ऐसा न करने पर सजा का प्रावधान है. पंजाब किंग्स के लिए यह सीजन का दसरा ओवर रेट उल्लंघन था, जिसके चलते श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है. इसके साथ ही, पंजाब किंग्स के प्लेइंग इलेवन के सभी सदस्यों, जिसमें इम्पैक्ट प्लेयर भी शामिल है, उन पर 6 लाख रुपए (या उनकी मैच फीस का 25% जो भी कम हो) का

जुर्माना लगाया गया. मुंबई इंडियंस किंग्स ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी के लिए यह सीजन का तीसरा ओवर रेट उल्लंघन था. इससे पहले, गुजरात टाइटंस के खिलाफ दोनों मैचों में भी मुंबई को स्लो ओवर रेट के लिए दंडित किया गया था. हार्दिक पंड्या पर भी भारी जुर्माना लगाया गया है. मुंबई इंडियंस के कप्तान पंड्या पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है. इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो,

इस रोमांचक मुकाबले में पंजाब फाइनल खेलेगी.

उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया

था. बीबीएमपी ने आरोप लगाया

जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी)

जुर्माना लगाया गया है.



का स्कोर खड़ा किया. सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने 44-44 रनों की शानदार पारियां खेलीं, लेकिन पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों में नाबाद 87 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई. पंजाब ने यह टारगेट 19 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया, और इस जीत के साथ वे 11 साल बाद फाइनल में पहुंच गई. अब वह 3 जून को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ

यूपी योद्धा ने गुमान सिंह को 1.07 करोड़ में खरीद



नई दिल्ली. यूपी योद्धा ने प्रो कबड्डी लीग 12 के लिए अपनी टीम को और जमबूत बनाने के लिए ऑक्शन में कई दिग्गजों को शामिल किया। यूपी योद्धा ने गुमान सिंह को 1.073 करोड़ रुपये और महेंद्र सिंह को 20 लाख रुपये में खरीदा। इसके अलावा उन्होंने ईरान के मोहम्मदरेज़ा कबूद्रहांगी सहित कई अन्य खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। योद्धा ने नीलामी से पहले 12 खिलाड़ियों को रिटेन किया था। नीलामी के पहले दिन यूपी योद्धा ने गुमान सिंह को 1.0725 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि फाइनल बिड मैच (एफबीएम) के माध्यम से महेंद्र सिंह को 20 लाख रुपये में जोडकर डिफेंस को भी मजबत किया। दूसरे दिन यूपी योद्धा ने मोहम्मदरेज़ा कबूद्रहांगी के लिए अपने एफबीएम का उपयोग किया, और 20 लाख रुपये में एक और सीज़न के लिए उन्हें टीम में शामिल किया। ईरान के डिफेंडर ने 23 पीकेएल मैचों में 28 अंक हासिल किए हैं। इसके अलावा यूपी योद्धा ने कोरियाई रेडर डोंग जियोन ली (13.50 लाख रुपये), रोनक (९ लाख रुपये) और प्रणय विनय राणे (13 लाख रुपये) को भी टीम में जोडा। ये नए खिलाडी समित.

भवानी राजपूत, साह्ल कुमार, सुरेंदर गिल और आशु सिंह सहित रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे, जिन्हें एलीट रिटेन प्लेयर्स सूची में रखा गया था।

पीकेएल 12 के लिए यूपी योद्धा की टीम

मोहम्मदरेज़ा कबद्रहांगी, महेंद्र सिंह, डोग जियोन ली, सुमित, आशु सिंह, भवानी राजपूत, साहुल कुमार, सुरेंदर गिल, हितेश, गगना गौड़ा एचआर, शिवम चौधरी, जयेश विकास महाजन, गंगाराम, सचिन, केशव कुमार, जितन, रौनक, प्रणय विनय राणे।

प्रो कबड्डी में यूपी योद्धास का के पांचवें सीजन में शामिल हुई। यूपी योद्धा ने अपनी शुरुआत से ही लगातार डिफेंडर्स के साथ प्रशंसकों के बीच ने 2017 में चार नई टीमों (गुजरात जायंट्स, हरियाणा स्टीलर्स और में डेब्यू किया। तब से यह टीम अपनी निरंतरता और आक्रामक खेल शैली के लिए जानी जाती है।

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट के स्टेडियम के करीब कस्तूरबा रोड पर

स्टार खिलाड़ी विराट कोहली इस समय आईपीएल में धूम मचा रहे हैं. पुलिस ने विराट के पब उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु **पर की एफआईआर** : पुलिस को आईपीएल 2025 के फाइनल में भी शिकायत मिली थी कि वन8 कम्यून पहुंच गई है. अब वह खिताब से सिर्फ पब में धूम्रपान क्षेत्र के नियमों का 1 कदम दर हैं. इसी बीच उनको बड़ा उल्लंघन हो रहा है. इसके बाद, 1 झटका लगा है. बेंगलुरु में कोहली के जून 2025 को कब्बन पार्क पुलिस पब, वन8 कम्यून को एक बार फिर स्टेशन ने पब के प्रबंधक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा एक एफआईआर दर्ज की. जांच है. इस बार पब के खिलाफ सिगरेट के दौरान यह पाया गया कि पब में और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम धूम्रपान क्षेत्र को लेकर जरूरी नियमों (सीओटीपीए) 2003 के तहत मामला का पालन नहीं किया जा रहा था, जो दर्ज किया गया है. यह पब बेंगलुरु सीओटीपीए अधिनियम के प्रावधानों के रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल का उल्लंघन है. इस अधिनियम के पर स्थित है, जो एम. चिन्नास्वामी तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के



बेंगलुरु में कोहली के पब वन8 कम्यून पर फिर केस दर्ज

लिए सख्त नियम निर्धारित किये गए हैं, और इनका पालन न करना काननी

अपराध माना जाता है. यह पहली बार नहीं था, और इसे सात दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया था. बता दें, नहीं है जब वन8 कम्यून पब कानूनी विवादों में फंसा है. इससे पहले जुलाई वन8 कम्यून, विराट कोहली का एक 2024 में भी बेंगलुरु पुलिस ने इस मशहूर रेस्तरां और पब चेन है, जिसकी पब के खिलाफ कार्रवाई की थी. उस शाखाएं दिल्ली, मुंबई, पुणे, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों में हैं. समय पब को रात 1 बजे के बाद भी खुला रखने और ग्राहकों को सर्व करने आईपीएल में जमकर चल के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी, जो शहर के नियमों का उल्लंघन था. इसके अलावा, दिसंबर 2024 में ग्रेटर बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने पब को अग्नि सुरक्षा नियमों के

रहा बल्ला : विराट कोहली का ध्यान फिलहाल आईपीएल पर है. वह अपनी आईपीएल ट्रॉफी का सूखा खत्म करने से सिर्फ 1 कदम दर हैं. बतौर बल्लेबाज विराट के लिए ये सीजन अभी तक काफी शानदार भी रहा है. वह 14 मैचों में 55.81 की औसत था कि पब के पास अग्नि विभाग से से 614 रन बना चुके हैं. जिसमें 8

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत ने जीते 24 पदक, चीन के बाद दूसरा स्थान

सीओल. साउथ कोरिया के गुमी में खेली गई 26वीं एशियन एथलेटिक्स

इतिहास: यूपी योद्धा प्रो कबड्डी लीग अच्छा प्रदर्शन किया है और अपनी मजबत रणनीति. शानदार रेडर्स और एक अलग पहचान बनाई है। योद्धा तमिल थलाइवास) के साथ पीकेएल

चैंपियनशिप में इस बार भारत ने काफी शानदार प्रदर्शन किया है. इस चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने कुल 24 पदक जीते हैं, जो उसका 2017 के बाद का बेस्ट प्रदर्शन है. भारतीय खिलाडियों ने इस चैंपियनशिप में 8 गोल्ड, 10 सिल्वर और 6 ब्रांज मेडल अपने नाम किए. इसकी मदद से भारत पॉइंटस टेबल में चीन के बाद दूसरे नंबर पर रहा. चीन 19 गोल्ड मेडल के साथ टॉप पर रहा. इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए. इससे भारत की ओलंपिक में ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने की उम्मीदें बढ गई हैं. भारत की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी खिलाड़ियों को

प्रधानमंत्री ने क्या कहा? खिलाड़ियों को बधाई दी. उन्होंने

सोशल मीडिया एक्स पर लिखा,

ही में साउथ कोरिया में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खिलाडियों के शानदार प्रदर्शन पर भारत को गर्व है. पूरे चैंपियनशिप में हर एथलीट की कडी मेहनत साफ दिखाई दी. एथलीटों को उनके फ्यूचर की शुभकामनाएं".

कैसा रहा भारत का प्रदर्शन? गुमी में एक जुन को समाप्त हए प्रधानमंत्री ने द्वीट कर सभी एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने ट्रैक और फील्ड

दोनों ही कंपटिशंस में शानदार प्रदर्शन किया. इसमें गुलवीर सिंह सबसे आगे रहे. उन्होंने पुरुषों की 5,000 मीटर और 10,000 मीटर दौड़ में दो गोल्ड जीते. इसके अलावा 5,000 मीटर दौड़े में उन्होंने एक नया रिकॉर्ड भी बना दिया. जबिक 3000 मीटर स्टीपलचेज में अविनाश साबले ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया. जबकि 100 मीटर की बाधा दौड़ में ज्योति याराजी ने गोल्ड पर कब्जा जमाया.

रुपल चौधरी ने रचा इतिहास

रिले में मिक्स और महिलाओं की 4×400 मीटर में भारत ने गोल्ड मेडल जीता. इस दौरान रुपल चौधरी ने तीन मेडल जीतकर सबको चौंका दिया. उन्होंने महिलाओं की रिले में गोल्ड, महिलाओं की 400 मीटर में दौड़ में सिल्वर और मिक्स रिले में ब्रांज मेडल जीता.फील्ड इवेंट में भारत का प्रदर्शन काफी शानदार रहा. पूजा सिंह ने महिलाओं की हाई जंप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया. इसके अलावा नंदिनी अगासरा ने हेप्टाथलॉन में जीत हासिल की. अनिमेष कुजूर ने पुरुषों की 200 मीटर स्प्रिंट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए ब्रांज मेडल जीता, जबिक पारुल चौधरी ने महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज में नेशनल रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया. इसके अलावा सचिन यादव (जैवलिन थ्रो), प्रवीण चित्रवेल (ट्रिपल जंप) और तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन) ने सिल्वर मेंडल

जीतकर भारत का मान बढ़ाया.

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

वाशिंगटन. ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अचानक वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है. 36 साल के मैक्सवेल ने अपने 13 साल के वनडे करियर में कई यादगार पारियां खेलीं और ऑस्ट्रेलिया को दो बार वनडे वर्ल्ड कप (2015 और 2023) जिताने में अहम भूमिका निभाई. हालांकि, उन्होंने तत्काल प्रभाव से 50 ओवर के फॉर्मेंट को अलविदा कह दिया है, लेकिन वे टी20 इंटरनेशनल में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे. मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 149 वनडे मैच खेले, जिसमें उन्होंने 33.81 की औसत से 3990 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 23 अर्धशतक जड़े. उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 2023 वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई 201 रनों की नाबाद पारी रही, जो वनडे इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक मानी जाती है. इस पारी में मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया को 91/7 के स्कोर से उबारकर जीत दिलाई थी, जो एक चमत्कारी प्रदर्शन था. मैक्सवेल ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया और अपने करियर



में 72 विकेट हासिल किये. मैक्सवेल ने संन्यास का ऐलान करते हए कहा, 'मुझे लगा कि मैं टीम को थोड़ा निराश कर रहा हं, क्योंकि शरीर परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया कर रहा है।. मैंने ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली के साथ अच्छी बातचीत की और उनसे पछा कि आगे के बारे में उनके क्या विचार हैं. हमने 2027 के वर्ल्ड कप के बारे में बात की और मैंने उनसे कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें सफल हो पाऊंगा, अब समय आ गया है कि मेरी जगह पर आने वाले लोगों के लिए योजना बनाई जाए ताकि वे इस पद पर बने रहें और इसे अपना बना सकें.

आरसीबी बनाम पंजाब किंग्स का ऐतिहासिक मुकाबला

9 साल बाद खास टकराव नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का फाइनल एक ऐतिहासिक मुकाबला होने जा रहा है. आज नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स की टीमें आमने-सामने होंगी. इन दोनों ही टीमों के लिए ये सीजन अभी तक काफी शानदार रहा है. लीग स्टेज में ये टीमें टॉप-2 में रहीं थीं और अब खिताब से एक जीत दर हैं. ये मैच फैंस के लिए भी काफी खास रहने वाला है. उन्होंने आईपीएल में 9 साल के बाद एक खास नजारा देखने को

9 साल बाद आईपीएल में खेला जाएगा ऐसा फाइनल

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स की नजर अब अपने पहले आईपीएल खिताब पर है. वहीं, 2016 के बाद पहली बार ऐसा होगा, जब फाइनल में दोनों ऐसी टीमें आमने-सामने होंगी, जिन्होंने



चैंपियन मिलेगा और 2022 के बाद

यह पहली बार होगा, जब कोई नई

टीम खिताब जीतेगी. इससे पहले 2016 में फाइनल मैच सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमों के बीच खेला गया था. तब दोनों ही टीमों के पास कोई खिताब नहीं था और सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी को हराकर अपना पहला

से 2024 तक हर फाइनल में कम से

कम एक ऐसी टीम थी, जिसने पहले खिताब जीता था. जैसे चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, या कोलकाता नाइट राइडर्स

2022 के बाद नया चैंपियन 2022 में गुजरात टाइटंस ने खिताब जीता था. इसके बाद 2017 अपना पहला आईपीएल खिताब जीता

था, जो उनकी डेब्यू सीजन में एक बड़ी उपलब्धि थी. इसके बाद 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीते, जो पहले भी चैंपियन रह चुके थे. लेकिन 2025 में, आरसीबी और पीबीकेएस के बीच होने वाले फाइनल से एक नई चैंपियन टीम का उदय होगा, जो 2022 के बाद पहली बार होगा. वहीं, आईपीएल के 17 सीजन के इतिहास में अब तक 7 टीमें चैंपियन बन चुकी हैं. राजस्थान रॉयल्स (2008), डेक्कन चार्जर्स (2009), चेन्नई सुपर किंग्स (2010, 2011, 2018, 2021, 2023), कोलकाता नाइट राइडर्स (2012, 2014, 2024), मुंबई इंडियंस (2013, 2015, 2017, 2019, 2020), सनराइजर्स हैदराबाद (2016), और गुजरात टाइटंस (2022). अब 2025 में विजेता चाहे कोई भी हो आईपीएल का 8वां नया चैंपियन मिलना तय है.

राजीव शुक्ला बन सकते हैं बीसीसीआई के अंतरिम अध्यक्ष

बिन्नी का कार्यकाल जल्द खत्म

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी का कार्यकाल जल्द खत्म होने जा रहा है। वह रिटायरमेंट की उम्र के करीब पहुंच रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला अंतरिम अध्यक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार, किसी भी पदाधिकारी को 70 वर्ष उम्र के बाद अपना पद छोड़ना होगा। ऐसे में बिन्नी पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो जाएंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, "राजीव शुक्ला कुछ महीनों के लिए कार्यभार संभालेंगे। सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट के रूप में वह नियमों के अनुसार भूमिका निभाएंगे।"अगर राजीव शुक्ला की नियुक्त की जाती है, तो शुक्ला नए अध्यक्ष के चुने जाने



तक तीन महीने की अंतरिम अवधि के लिए अध्यक्ष की जिम्मेदारियों की देखरेख करेंगे। शुक्ला 2020 से बीसीसीआई के उपाध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने भारतीय क्रिकेट प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। इन भूमिकाओं में साल 2017 तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सचिव 27 टेस्ट और 72 वनडे मैच खेले।

और 2018 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का अध्यक्ष पद शामिल है। रोजर बिन्नी वनडे वर्ल्ड कप-1983 जीतने वाली भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें साल 2022 में बीसीसीआई का 36वां अध्यक्ष चुना गया था।

बिन्नी ने भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जगह ली थी। गांगुली ने साल 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाला था। बिन्नी विजयनगरम के महाराजा और गांगुली के नक्शेकदम पर चलते हुए बीसीसीआई का नेतृत्व करने वाले तीसरे पूर्व टेस्ट क्रिकेटर हैं।

रोजर बिन्नी का करियर

साल 1979 से लेकर 1987 तक रोजर बिन्नी ने भारत की ओर से



गुजरात उपचुनाव 2027 की दर-तक > मोदी-शाह बनाम राहुल-केन्रीवाल की पहली भिड़ंत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गृहराज्य गुजरात की दो विधानसभा सीटों पर 19 जून को होने वाले उपचुनाव के मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है.

जूनागढ़ जिले की विसावदर और महेसाणा जिले की कडी विधानसभा सीट के लिए बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. विसावदर और कडी विधानसभा के उपचुनाव को 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है. इस तरह से मोदी-शाह के साथ-साथ राहल गांधी और अरविंद केजरीवाल की अग्निपरीक्षा उपचुनाव में होगी.

2022 के विधानसभा चुनावों में विसावदर सीट पर आम आदमी



सीट पर बीजेपी ने कब्जा जमाया था. विसावदर के विधायक भूपत भायाणी



पार्टियों के लिए अपनी जीती सीटों पर

कब्जा बनाए रखने की चुनौती है. जूनागढ़ की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी ने गोपाल इटालिया, बीजेपी ने किरीट पटेल और कांग्रेस ने उतारा है

मोदी के गढ में बीजेपी का इम्तिहान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह जनपद में आने वाली कडी सीट अनुसूचित

जाति के लिए रिजर्व है. बीजेपी के विधायक करसन भाई सोलंकी के निधन

की वजह से यहां पर उपचनाव हो रहा है. इस सीट पर गजरात की महशर

गायिक काजल महेरिया ने भी टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने यहां से राजेंद्र

चावड़ा को उम्मीदवाद बनाया है. कांग्रेस ने कडी से विधायक रह चुके रमेश

चावड़ा को टिकट दी है. वे 2017 के चुनाव में करसन भाई सोलंकी से 7746

वोटों से हारे थे. रमेश चावड़ा 2012 से 2017 तक विधायक रह चुके हैं.

नितिन रणपारिया को प्रत्याशी बनाया है. ऐसी महसेणा की कड़ी सीट पर वाले उपचुनाव में कांग्रेस, बीजेपी और बीजेपी के राजेंद्र चावड़ा, कांग्रेस के रमेश चावड़ा और आम आदमी पार्टी के जगदीश चावड़ा किस्मत आजमा 2022 में विसावदर से भूपत

बीजेपी ने उनकी जह किरीट पटेल को

इस तरह दोनों ही सीटों पर होने आम आदमी पार्टी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला बनता नजर आ रहा है. विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया को उतारकर चुनावी मुकाबले को

बीजेपी ने ऑपरेशन ब्ल् स्टार पर पोस्ट शेयर की साहिब पर किए गए हमले के पहले दिन

पंजाब में 1 जून 1984 को ऑपरेशन ब्लू स्टार को अंजाम दिया गया था. इसकी सालगिरह पर प्रदेश बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की. पोस्ट में उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों को शहीद बताकर श्रद्धांजिल दी. पोस्ट डालने के बाद हर जगह इसकी काफी चर्चा होने लगी. हालांकि पंजाब बीजेपी ने सोशल मीडिया अकाउंट से यह पोस्ट हटा दी है. पोस्ट में. पंजाब भाजपा ने स्वर्ण मंदिर पर हमला करने के लिए कांग्रेस सरकार की निंदा की थी. इस ऑपरेशन में अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की. इसके साथ ही उन्होंने इस ऑपरेशन से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी साझा

बीजेपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, '1 जून 1984, साका नीला तारा यानी ऑपरेशन ब्लू

शहीद हए शहीदों को दिल से प्रणाम' इसके साथ ही भाजपा ने अकाल तख्त, जो सिखों की सर्वोच्च धार्मिक सीट है, उसको हुए नुकसान और टायरों से भरी बख्तरबंद गाड़ी की तस्वीरें भी शेयर की थीं. यह पहली बार नहीं हुआ है जब पंजाब बीजेपी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की बात की हो. इससे पहले भी वह इस हमले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा चुकी है. ऑपरेशन ब्लू स्टार एक सैन्य अभियान था जिसे भारतीय सेना ने जुन 1984 में अंजाम दिया. इसका मुख्य उद्देश्य अमृतसर के गोल्डन टेंपल में छिपे संत जरनैल सिंह भिंडरांवाले और उसके समर्थकों को बाहर निकालना था. भिंडरांवाले और उसके लोग वहां भारी मात्रा में हथियारों के साथ मौजूद थे और वहां से अलग खालिस्तान देश की मांग कर रहे थे. इस ऑपरेशन को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आदेश पर शुरू

देश में बड़ा जासूसी नेटवर्क बेनकाब, कई रही थी.ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं. वह लगातार आतंकियों के ठिकानों का पता लगाने और जाससी करने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करने में लगी हुई हैं. देश में एक जासूसी नेटवर्क को लेकर बडा खलासा हुआ है कि वह किस तरह से काम करता था. जब खुफिया एजेंसी को पता चला तो उसके बाद से धडाधड गिरफ्तारियां शुरू हुईं

मुताबिक, ऑपरेशन सिन्द्र के बाद इन नंबरों का खुफिया एजेंसी आईबी पाकिस्तान से दर्जनों नंबर एक्टिव पिछले काफी समय से सर्विलांस कर

से बंद थे.

हए हैं. इन नंबर के जरिए लगातार पाकिस्तान में बातचीत हो रही थी. खुफिया एजेंसियों के लिए हैरानी की बात ये थी कि जिस नंबर से पाकिस्तान से कॉल आ रहा था और जिस नंबर पर भारत में बात और मैसेजिंग हो रही थी दोनों भारतीय सिम थे. ऐसे में ख़ुफिया खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के एजेंसियों का अलर्ट होना लाजमी था.

ऐसे नंबर एक्टिव हुए जो काफी समय

खाली हुई है तो कडी सीट बीजेपी के

विधायक करसनभाई सोलंकी के निधन

के चलते खाली हुई है. ऐसे में दोनों

ये नंबर पंजाब, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात और असम में एक्टिव थे. एंक्रिप्टेड एप्प पर भी इन नंबर की गतिविधि बढ़ गई थी. पेमेंट गेटवे के जरिए पैसे भी इन्हीं नंबर पर गए है, जिसके बाद इन नंबरों को टै़क किया गया और जासूसी नेटवर्क का

IB ने इन सभी नंबर की जानकारी स्टेट पुलिस से शेयर की, जिसके बाद अलग-अलग लोकेशन से कई लोगों की गिरफ्तारी की गई.पुख्ता सबूत मिलने के बाद ख़ुफिया एजेंसियों

के इशारे पर अलग-अलग राज्य पुलिस ने कार्रवाई करना शुरू की.

हरियाणा के हिसार से ज्योति मल्होत्रा, कैथल से देवेन्द्र सिंह ढिल्लों, नृंह से अरमान व तारीफ और पानीपत से नोमान इलाही पकड़े गए थे. वहीं, पंजाब के गुरदासपुर से सुखप्रीत सिंह और कर्णबीर सिंह, मालीर कोटला से गजाला और मालीर, अमृतसर से सुरा मसीह और पलक शेर मसीह, जालंधर से मोहम्मद अली मुर्तजा पकड़े गए. इसके अलावा यूपी के रामपुर से शहजाद, वाराणसी से तोहफील, दिल्ली से मोहम्मद हारून और 7 लोग इसी जासुसी नेटवर्क में असम से पकडे

जॉर्जिया मेलोनी की बेटी क्यों है सुर्खियों में?

शी जिनपिंग के बाद अब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की नाबालिंग बेटी सुर्खियों में हैं. दरअसल, इटली के ही एक प्रोफेसर ने एक घटना को लेकर मेलोनी की बेटी पर गलत टिप्पणी कर दी. इस टिप्पणी के बाद पूरे इटली में प्रोफेसर की आलोचना होने लगी. सरकार भी

इटली की स्थानीय मीडिया के मुताबिक अपनी गंदी बात को लेकर प्रोफेसर ने माफी की मांग की है. हालांकि, सरकार प्रोफेसर को हटाने की तैयारी में है. इटली की स्थानीय मीडिया के मुताबिक

कैंप में रह रहे लोगों को मदद देने का

ऐलान किया है. सरकार मद्रासी कैंप

के उन निवासियों की सहायता करेगी,

जो तमिलनाडु में अपने मूल जिलों में

लोगों के लिए आजीविका और अन्य

आवश्यकताओं के लिए उन्हें सहयोग

किया जाएगा.बारपुला में ढहाए गए

ज्यादातर मकान 2 से 3 मंजिला थे।

इन मकानों में मालिक के अलावा कई

दक्षिण भारतीय थे. यही कारण है कि

इस बस्ती को मद्रासी बस्ती कहा

जाता है. ये इलाका निजामुद्दीन रेलवे

स्टेशन सटा हुआ है. दिल्ली हाईकोर्ट

ने मद्रासी कैंप में सार्वजनिक भूमि पर

हए अतिक्रमण को हटाने का आदेश

दिया था.

यहां रहने वाले ज्यादातर परिवार

परिवार किराए पर रह रहे थे.

तमिलनाडु सरकार ने कहा कि इन

वापस जाना चाहते हैं.



टिप्पणी करने वाले प्रोफेसर नेपल्स प्रांत के एक हाई स्कूल पढ़ाते हैं. जर्मनी लैंग्वेज के प्रोफेसर का नाम स्टेफानो अडेओ है. एक घटना को लेकर प्रोफेसर आवेग में आ गए और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मेलोनी की बेटी को लेकर गलत टिप्पणी कर गए. रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर का कहना का दख तब समझेंगी. जब उनके बेटी के साथ का हादसा हो प्रोफेसर अडेओ की इस टिप्पणी का लोगों ने जमकर विरोध किया. बवाल मचने के

बाद प्रोफेसर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर माफी की मांग की. प्रोफेसर का कहना है कि मैंने इस तरह की गंदी बात क्यों लिखी, इसका मुझे अभी तक पता नहीं चल पा रहा है

अडेओ का कहना है कि मैं किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता हूं. मैं एक अहिंसक व्यक्ति हूं. कक्षा के बच्चे मुझे खूब मानते हैं. मैंने लिखने के लिए एआई की मदद ली थी, इसलिए मेरे से गलती हुई.2015 में जॉर्जिया मेलोनी ने एंड्रिया जियाम्ब्रुनो से शादी की. दंपति की 2016 में एक बेटी पैदा हुई. कई मौकों पर मेलोनी को अपनी बेटी के साथ सार्वजनिक तौर पर देखा गया है, मेलोनी अपने पास ही बेटी को रखती हैं. 2023 में मेलोनी और उनके पति के बीच तलाक हो गया. मेलोनी के पूर्व पति ने दसरी शादी कर ली, जबकि मेलोनी राजनीति में व्यस्त हो गईं. वर्तमान में मेलोनी के पास इटली का सबसे पावरफुल पद प्रधानमंत्री की

भारत में नक्सली ढेर, बांग्लादेश में शोक

भारत सरकार ने नक्सल और माओवादी विचारधारा खत्म करने के लिए ऑपरेशन 'कगार' चलाया हुआ है. जिसके तहत छत्तीसगढ के बस्तर में नक्सिलयों के खिलाफ सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है. सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) के महासचिव केशव राव उर्फ बासवराजू समेत तकरीबन 27 नक्सिलयों को मार गिराया गया.जहां भारत में इसको सुरक्षाबलों की कामयाबी बताया जा रहा है, वहीं बांग्लादेश में इसके ऊपर आंसू बहाए जा रहे हैं. बांग्लादेश की एक संस्थान, जिससे पहले यूनुस भी जुड़े थे, उसनके 71 प्रमुख लोगों ने भारत में हुई इन हत्याओं का विरोध किया है और इस ऑपरेशन को माओवादी अवाजों को दबाने के लिए सोची समझी साजिश पर एक योजनाबद्ध राज्य आतंकवाद



रविवार को एक बयान जारी करते हुए इन नागरिकों ने कहा कि 21 मई को नरेंद्र मोदी सरकार के सैन्य अभियान 'ऑपरेशन कगार' में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव बसव राज समेत 28 माओवादी राजनीतिक कार्यकर्ता मारे गए. हत्या के बाद ही उन्होंने दावा किया कि तथाकथित माओवादी दमन अभियान के नाम

चलाया जा रहा है, बयान में कहा गया है, "हम, बांग्लादेश की प्रगतिशील और लोकतांत्रिक आवाजें, इस हत्या सहित ऑपरेशन कगार के दौरान की गई सोची समझी राज्य हत्याओं की कड़ी निंदा और विरोध करते हैं

बयान जारी करते हुए इन बांग्लादेशी नागरिकों ने मांग की है कि ऑपरेशन कगार को तत्काल बंद किया जाए. साथ ही बयान में दुनिया भर के क्रांतिकारी, लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और मानवाधिकार संगठनों से भारत के मूलनिवासी और उत्पीड़ित लोगों के साथ खड़े होने का आह्वान किया है.

इस ऑपरेशन का बांग्लादेश में ही नहीं भारत में भी विरोध हो रहा है. वामपंथ विचारधारा के संघठन भी इस ऑपरेशन का विरोध करल रहे हैं. वहीं कई नेताओं ने मांग की है इसको रोका जल्द से जल्द रोका जाए

दिल्ली में मद्रासी कैंप पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में बीते कुछ दिनों से अवैध तरीके से रह रहे लोगों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. राजधानी के कई इलाकों में बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है. बीते दिन रविवार को भी निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन सटे इलाकों में भी ये अभियान

जहां सैकड़ों मकानों को बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया. इन मकानों में मालिक के अलावा कई परिवार किराए पर रह रहे थे. सरकार की इस कार्रवाई के बाद अब विपक्ष हमलावर हो चुका है. इस बीच तमिलनाडु सरकार ने मद्रासी कैंप में रह रहे लोगों को मदद देने का ऐलान

तमिलनाड सरकार ने मद्रासी

मोबाइल में उलझी नर्स की लापरवाही

कर्नाटक के वेल्लोर से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक सरकारी अस्पताल में एक नर्स ने लापरवाही करते हुए एक नवजात शिशु की उंगली ही काट दी. आरोप है कि नर्स फोन पर बात करते-करते काम कर रही थी. ऐसे में उसका ध्यान फोन पर था और उसे टेप काटना था. लेकिन उसने टेप की बजाय नवजात शिशु की उंगली ही काट दी. इसके बाद बच्चे के पिता को उससे डेढ़ घंटे तक मिलने भी नहीं दिया गया.ये घटना 24 मई को सरकारी अस्पताल में घटी. जहां मल्लिपालयम के रहने वाले विमल राज अपनी पत्नी निवेथा को डिलीवरी के लिए लेकर आए थे. अस्पताल में निवेथा ने बेटे को जन्म दिया था. बच्चा थोड़ा कमजोर था और उसके शरीर में शुगर की मात्रा कम थी. ऐसे में डॉक्टरों ने नवजात शिश्



को ग्लूकोज चढ़ाने के लिए कहा. नवजात को एक नर्स ग्लूकोज चढ़ा रही थी.

इस दौरान नर्स नवजात के हाथ से सुई निकाल रही थी. सुई पर लगे टेप को हटाने के लिए नर्स कैंची का इस्तेमाल कर रही थी. तभी उसने टेप काटने की बजाय बच्चे की उंगली ही काट दी. पिता विमल राज का आरोप है कि इस घटना के वक्त नर्स फोन पर बात कर रही थी और उसका ध्यान फोन में लगा हुआ था. ऐसे में लापरवाही करते हुए उसने टेप की की जानकारी वेल्लोर की जिलाधिकारी सुब्बुलक्ष्मी को दी गई. उन्होंने इस मामले में जांच के आदेश देते हुए कहा कि अगर नर्स दोषी पाई जाती है और फोन पर बात करने वाली बात सच साबित होती है तो नर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि ग्लूकोज से सुई निकालने के लिए कैंची के इस्तेमाल की जरूरत नहीं थी. उस काम को हाथ से भी किया जा

'कुछ लोगों की नाराज़गी जायज़, लेकिन जरूरी था बदलाव'

> आकाश आनंद पर बोलीं मायावती नई दिल्ली.

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश आनंद की वापसी और पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने के फैसले का एक बार फिर बचाव किया है. उन्होंने कहा कि पार्टी हित में लोगों पर माफी दिए जाने की परंपरा है. आकाश बहुत लोगों को तकलीफ हो रही है. साथ



कार्रवाई करने और पश्चाताप करने पर मख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाए जाने से पोस्ट के जरिए उम्मीद जताई कि आकाश आनंद बाबा अंबेडकर और कांशीराम ही यह उम्मीद भी जताई कि आकाश के सपनों को पूरा करने में कामयाब करने वाली अकेली अंबेडकरवादी पार्टी है और पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई और उनकी ओर से पश्चाताप करने पर उन्हें वापस लेने की भी परंपरा

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को लेकर उम्मीद जताते हए कहा, "पार्टी को उम्मीद है कि अब आकाश आनंद बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर और मान्यवर कांशीराम के आत्म-सम्मान के कारवां को आगे बढ़ाने तथा उनके सपनों

को साकार करने की जिम्मेदारी को पूरी तनम्यता और जी-जान से निभाएंगे. साथ ही पार्टी को अवसरवादी और स्वार्थी लोगों की कतई जरूरत नहीं है."अपने पोस्ट में कांग्रेस, बीजेपी और सपा जैसी पार्टियों पर निशाना साधते और आगाह करते हुए मायावती ने कहा, "कांग्रेस, बीजेपी और सपा जैसी कई पार्टियों के सहारे और उनके इशारे पर चलकर बहजनों की एकता तथा बीएसपी को कमजोर करने वाले बरसाती मेंढकों की तरह के संगठन व दलों के नेता चाहे निजी स्वार्थ में विधायक, सांसद व मंत्री क्यों ना बन जाएं इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं. लोग सावधान

अपने मकसद में कामयाब होंगे. पूर्व होंगे. उन्होंने कहा, "देश में बीएसपी 'पाकिस्तान के टुकड़े तय हैं' - अनिल विज का बयान

अंकगणितीय तर्क चंडीगढ़.

हरियाणा सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता अनिल विज अपने तीखे बयानों को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं. अनिल विज ने एक बार फिर पाकिस्तान से लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

विज ने पाकिस्तान को लेकर भविष्यवाणी करते हुए कहा कि आने वाले 50 सालो में पाकिस्तान का विनाश हो जाएगा.वहीं विज ने मल्लिकार्जुन खरगे को पाकिस्तानी अध्यक्ष और पिटा हुआ मोहरा बताते हुए कहा कि उनको पाकिस्तान की ही तारीफ सुनना पसंद है.

पर निशाना साधा है.



खरगे को बताया 'पिटा हुआ मोहरा'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को चुनाव प्रचार से पीछे हट जाना चाहिए. इस बयान पर विज ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खरगे जी से पूछ कर कोई काम नहीं करेंगे? उन्होंने कहा कि खरगे साहब तो पीटे हुए मोहरे हैं और ऐसे लोगों से कभी कुछ पूछा नहीं जाता. पूछा तो सफल व्यक्तियों से जाता है और प्रधानमंत्री जी अपने कार्यक्रम सही बना रहे हैं और सीधा जनता तक पहुंच रहे हैं .

इसके अलावा विज ने अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा

और कहा कि दिल्ली की जनता ने तो उन्हें बहार निकाल दिया है. बािक कुछ कसर बाकी होगी तो भाजपा

देख लेगी. पाकिस्तान को लेकर विज ने कहा कि पाकिस्तान दुकड़े होने के करार पर है. उन्होंने अपनी बात को अंको में समझाते हुए कहा कि पाकिस्तान के टुकड़े होने ही हैं क्योंकि पाकिस्तान आठ अक्षरों से बना है, जबिक हिंदुस्तान नौ अक्षरों से बना है. नौ को जितना भी गुणा करें वह नौ ही रहेगा. उन्होंने कहा कि पिछले 25 सालों में पाकिस्तान आधा हो चुका है और आने वाले 50 सालों में वह और आधा हो

पीओके और बलूचिस्तान की जो स्थिति है उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान का जल्द ही विनाश होने वाला है.

